



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-30032025-262132  
CG-DL-E-30032025-262132

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 90]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 26, 2025/ चैत्र 5, 1947

No. 90]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 26, 2025/ CHAITRA 5, 1947

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)  
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2025

मामला सं.-एडी(ओआई) -10/2024

विषय: चीन जन.गण. और संयुक्त राज्य अमेरिका से पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड (केटीबी) के आयात और चीन जन.गण. से सोडियम टर्शरीब्यूटॉक्साइड (एसटीबी) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 6/11/2024-डीजीटीआर

- जबकि, सुपर्णा केमिकल्स लिमिटेड (जिसे “आवेदक” भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे “अधिनियम” कहा गया है) और समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा

प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रह तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "पाटनरोधी नियमावली" या "नियमावली" कहा गया है) ने प्राधिकारी के समक्ष चीन जन.गण. और संयुक्त राज्य अमेरिका (जिसे आगे "संबद्ध देश" कहा गया है) से पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड (जिसे आगे "केटीबी" या "संबद्ध वस्तु" या "विचाराधीन उत्पाद" भी कहा गया है) के आयातों और चीन जन.गण. (जिसे आगे "संबद्ध देश" भी कहा जाएगा) से सोडियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड (जिसे आगे "एसटीबी" या "संबद्ध वस्तु" या "विचाराधीन उत्पाद" कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया।

2. और जबकि, घरेलू उद्योग द्वारा दायर संबद्ध देशों से आयात के कारण पाटन और क्षति के प्रथम दृष्टया साक्ष्य के साथ विधिवत प्रमाणित आवेदन के आधार पर, प्राधिकारी ने संबद्ध देश/देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने के लिए, जो यदि लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार संबद्ध जांच शुरू करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 6/11/2024-डीजीटीआर दिनांक 28 मार्च, 2024 के माध्यम से एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

#### ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:
  - क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही करने से पहले आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
  - ख. प्राधिकारी ने अधिसूचना संख्या 6/11/2024-डीजीटीआर दिनांक 28 मार्च 2024 के माध्यम से एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया तथा उसमें संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई।
  - ग. प्राधिकारी ने भारत में स्थित उनके दूतावासों के माध्यम से संबद्ध देशों की सरकारों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी तथा उनसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।
  - घ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा संबद्ध देशों की सरकारों को भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित की गई थी।
  - ड. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली के साथ जांच की शुरुआत करते हुए सार्वजनिक सूचना की एक प्रति निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को अग्रेषित की:

#### केटीबी के उत्पादक/निर्यातक-

- i. एसेनसस स्पेशलिटीज एलएलसी (यूएसए)
- ii. जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी. लिमिटेड (चीन जन.गण.)

#### एसटीबी के उत्पादक/निर्यातक

- i. सिनोलाइट इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड

- ii. जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड
- iii. शेडोंग सीसुन्स (पूर्व में XISACE) न्यू मैटेरियल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- iv. शेडोंग रुइनाट केमिकल कंपनी लिमिटेड

च. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से अनुरोध किया गया कि वे निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।

छ. चीन जन.गण. के एक उत्पादक/निर्यातक जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल करके प्रतिक्रिया दी है।

ज. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी:

#### केटीबी के प्रयोक्ता/आयातक

- i. एग्रीसोल
- ii. अर्शिया लिमिटेड
- iii. आईओएल केमिकल्स
- iv. इनोवेरे
- v. के. राज एंड कंपनी / तोलानी केमिकल्स
- vi. केकुले फार्मा
- vii. बायोकॉन
- viii. हसमुखराय एंड कंपनी
- ix. ऑप्टिमस ड्रग्स
- x. अवरा लैब
- xi. भारत ज्योति इम्पेक्स
- xii. संजय केमिकल्स
- xiii. ल्यूपिन फार्मास्यूटिकल्स

#### एसटीबी के प्रयोक्ता/आयातक

- i. अतुल लिमिटेड
- ii. संजय केमिकल्स
- iii. न्यूलैंड लैब
- iv. सिरोचेम
- v. थर्मो फिशर
- vi. पंजाब केमिकल्स
- vii. मेघमनी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- viii. रैलिस इंडिया लिमिटेड
- ix. ग्लेनफिन केम
- x. हिंदी लैब
- झ. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना और आवेदन का अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति निम्नलिखित संघों को भेजी गई थी:

- i. फिक्की
  - ii. सीआईआई
  - iii. एसोचैम
  - iv. फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया
- ज. किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने संबद्ध जांच की शुरुआत किए जाने के उत्तर में प्रश्नावली का उत्तर दाखिल कर प्रतिक्रिया नहीं दी है।
  - ट. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना और आर्थिक हित प्रश्नावली की एक प्रति के साथ आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति रसायन एवं पैट्रो रसायन विभाग, रसायन एक उर्वरक मंत्रालय को दिनांक 04.04.2024 को भेजी गई थी। हालाँकि, प्राधिकारी को कोई टिप्पणी नहीं प्राप्त हुई है।
  - ठ. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के दूतावासों, सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को आर्थिक हित प्रश्नावली जारी की। आर्थिक हित प्रश्नावली का उत्तर केवल आवेदक और जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझौ) कंपनी लिमिटेड ("जेनकेम एंड जेनफार्म") द्वारा ही प्रस्तुत किया गया है।
  - ड. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित पीसीएन पद्धति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित किए। सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचार से अवगत कराएं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर, प्राधिकारी ने अधिसूचित किया कि पीसीएन पद्धति की आवश्यकता नहीं है, और पीसीएन के बिना आगे बढ़ने का फैसला किया, जिसे 29 अप्रैल 2024 के पत्र के माध्यम से अधिसूचित किया गया।
  - ढ. वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि (पीओआई) 1 अक्टूबर 2022 से 30 सितंबर 2023 (12 महीने) है। क्षति अवधि में 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021, 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 और जांच की अवधि शामिल होगी।
  - ण. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया है। सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी, साथ ही सभी पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे अपने उत्तर का अगोपनीय रूपांतर प्रत्येक हितबद्ध पक्षकार को ईमेल करें।
  - त. डीजीसीआईएंडएस से जांच की अवधि (पीओआई) सहित क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयात का लेनदेन-वार आंकड़ा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हुआ था। प्राधिकारी ने लेनदेन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर विश्वास किया है।
  - थ. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की इष्टतम लागत और बनाने और बेचने की लागत के आधार पर किया गया है। ऐसी क्षति रहित कीमत पर यह पता लगाने के लिए विचार किया गया है कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
  - द. अन्य हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का सत्यापन वर्तमान जांच के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया। प्राधिकारी ने वर्तमान मामले के अपने विश्लेषण में हितबद्ध पक्षकारों के सत्यापित आंकड़ों पर विचार किया है।
  - ध. इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम में उस सीमा तक उपयुक्त रूप से विचार किया गया है जिस सीमा तक उसके समर्थन में साक्ष्य था और वर्तमान जांच के लिए उसे संगत माना गया।
  - न. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 3 अक्टूबर 2024 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए और उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

- प. जांच के दौरान, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की सटीकता के बारे में स्वयं को यथासंभव संतुष्ट किया, जो इस अंतिम जांच परिणाम का संभव सीमा तक आधार बनता है, तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/दस्तावेजों को संगत, व्यावहारिक और आवश्यक समझे जाने की सीमा तक सत्यापित किया।
- फ. हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है तथा ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसे प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।
- ब. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच से इनकार कर दिया है, या अन्यथा प्रदान नहीं की है, या जांच में बहुत अधिक बाधा डाली है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार/टिप्पणियां दर्ज की हैं।
- भ. जांच के आवश्यक तथ्यों से युक्त प्रकटीकरण विवरण, जो अंतिम निष्कर्षों का आधार बना है, 11 मार्च, 2025 को इच्छुक पक्षों को जारी किया गया था और इच्छुक पक्षों को इस पर टिप्पणी दाखिल करने के लिए 17 मार्च, 2025 तक का समय दिया गया था। इच्छुक पक्षों ने इस अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना में, प्रासंगिक और गैर-दोहरावदार पाए गए सीमा तक, विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया है।
- म. इस अंतिम जांच परिणाम में '\*\*\*' हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा ऐसी मानी गई सूचना का द्योतक है।
- य. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 83.21 रुपए है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच की शुरुआत के चरण में, विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

*"3. विचाराधीन उत्पाद "पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड" और "सोडियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड" हैं। इन्हें निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:*

*4. पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड या केटीबी एक रासायनिक यौगिक है जिसका उपयोग कार्बनिक रसायन विज्ञान में गैर-न्यूक्लियोफिलिक और मजबूत एल्कोक्साइड बेस के रूप में किया जाता है। इसे पोटेशियम-टी-ब्यूटॉक्साइड, पोटेशियम टर्शरी ब्यूटिलेट या पोटेशियम-टी-ब्यूटिलेट के रूप में भी जाना जाता है और इसका रासायनिक सूत्र  $\text{C}_4\text{H}_9\text{KO}$  है। इसे पाउडर और/या घोल के रूप में उत्पादित किया जाता है। हालाँकि, वर्तमान जाँच केवल पाउडर के रूप में केटीबी से संबंधित है। केटीबी का उपयोग डिप्रोटोनेशन प्रतिक्रियाओं, कार्बनिक संश्लेषण, उन्मूलन प्रतिक्रिया, संघनन प्रतिक्रियाओं, डीहेलोजनेशन प्रतिक्रियाओं में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट (एपीआई) में भी किया जाता है।*

*5. सोडियम टर्शरीब्यू टॉक्साइड या एसटीबी एक रासायनिक यौगिक है जिसका उपयोग कार्बनिक रसायन विज्ञान में गैर-न्यूक्लियोफिलिक और मजबूत बेस के रूप में किया जाता है। इसे सोडियम-टी-ब्यूटॉक्साइड, सोडियम टर्शरी ब्यूटाइलेट या सोडियम-टी-ब्यूटाइलेट के नाम से भी जाना जाता है और इसका रासायनिक सूत्र  $\text{C}_4\text{H}_9\text{NO}$  है। इसे पाउडर और/या घोल के रूप में उत्पादित किया जाता है। हालाँकि, वर्तमान जाँच केवल पाउडर के रूप में एसटीबी से संबंधित है। एसटीबी का उपयोग विभिन्न प्रतिक्रियाओं जैसे कि डिप्रोटोनेशन, कंडेनसेशन, बेस कैटेलाइज्ड, रीअरेंजमेंट और रिंग-ओपनिंग में किया जाता है, और इसका उपयोग एग्नोकेमिकल्स, फार्मास्युटिकल्स, क्लरेंट्स, एरोमा केमिकल्स, पॉलिमर, डिटर्जेंट और बायोडीजल में भी किया जाता है।*

6. संबद्ध वस्तुओं को सीमा प्रशुल्क अधिनियम की अनुसूची I के अध्याय 29 के तहत टैरिफ कोड 29051490, 29051990 और 29054900 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।”

### ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि वर्तमान जांच के लिए पी.सी.एन.-वार विश्लेषण की कोई आवश्यकता नहीं है।

### ग.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं:
- क. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और आयातित उत्पाद में कोई अंतर नहीं है।
- ख. विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन या व्यापार विभिन्न ग्रेडों या विनिर्देशों में नहीं किया जाता है और निष्पक्ष तुलना के लिए पीसीएन के निर्धारण की आवश्यकता नहीं होती है।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:  
 “3. विचाराधीन उत्पाद “पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड” और “सोडियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड” हैं। इन्हें निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:  
 4. पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड या केटीबी एक रासायनिक यौगिक है जिसका उपयोग कार्बनिक रसायन विज्ञान में गैर-न्यूक्लियोफिलिक और मजबूत एल्कोक्साइड बेस के रूप में किया जाता है। इसे पोटेशियम-टी-ब्यूटोक्साइड, पोटेशियम टर्शरी ब्यूटिलेट या पोटेशियम-टी-ब्यूटिलेट के रूप में भी जाना जाता है और इसका रासायनिक सूत्र सी4एच9केओ है। इसे पाउडर और/या घोल के रूप में उत्पादित किया जाता है। हालाँकि, वर्तमान जाँच केवल पाउडर के रूप में केटीबी से संबंधित है। केटीबी का उपयोग डिप्रोटोनेशन प्रतिक्रियाओं, कार्बनिक संश्लेषण, उन्मूलन प्रतिक्रिया, संघनन प्रतिक्रियाओं, डीहेलोजेनेशन प्रतिक्रियाओं में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय फार्मास्यूटिकल इंटरमीडिएट (एपीआई) में भी किया जाता है।  
 5. सोडियम टर्शरीब्यू टॉक्साइड या एसटीबी एक रासायनिक यौगिक है जिसका उपयोग कार्बनिक रसायन विज्ञान में गैर-न्यूक्लियोफिलिक और मजबूत बेस के रूप में किया जाता है। इसे सोडियम-टी-ब्यूटॉक्साइड, सोडियम टर्शरी ब्यूटाइलेट या सोडियम-टी-ब्यूटाइलेट के नाम से भी जाना जाता है और इसका रासायनिक सूत्र C4एचएनएओ है। इसे पाउडर और/या घोल के रूप में उत्पादित किया जाता है। हालाँकि, वर्तमान जाँच केवल पाउडर के रूप में एसटीबी से संबंधित है। एसटीबी का उपयोग विभिन्न प्रतिक्रियाओं जैसे कि डिप्रोटोनेशन, कंडेनसेशन, बेस कैटेलाइज्ड, रीअरेंजमेंट और रिंग-ओपनिंग में किया जाता है, और इसका उपयोग एग्नोकेमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, क्लरेंट्स, एरोमा केमिकल्स, पॉलिमर, डिटर्जेंट और बायोडीजल में भी किया जाता है।  
 6. संबद्ध वस्तुओं को सीमा प्रशुल्क अधिनियम की अनुसूची I के अध्याय 29 के तहत टैरिफ कोड 29051490, 29051990 और 29054900 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।”
8. संबद्ध वस्तुओं को सीमा प्रशुल्क अधिनियम की अनुसूची I के अध्याय 29 के तहत टैरिफ कोड 29051490, 29051990 और 29054900 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से ऊपर में उल्लिखित प्रशुल्क कोड पर विचार किया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

9. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से जांच की शुरुआत संबंधी नोटिस में यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद के उसी दायरे पर विचार किया है। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकार इस बात पर सहमत हुए कि पीसीएन पद्धति को अपनाने की कोई आवश्यकता नहीं है, और तदनुसार, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में पीसीएन पद्धति पर विचार नहीं किया है।
10. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर, प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयात की गई वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग करते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी इस बात का खंडन नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी ने नोट किया कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

##### घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति के संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई भी अनुरोध नहीं किया गया है।

##### घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग और इसकी स्थिति के संबंध में आवेदक द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- क. भारत में केटीवी और एसटीवी के कोई अन्य प्रमुख उत्पादक नहीं हैं।
  - ख. आवेदक संबद्ध वस्तुओं का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत में अन्य उत्पादक भी हैं जिन्होंने संबद्ध वस्तुओं का नगण्य मात्रा में बीच-बीच में उत्पादन किया है।
  - ग. उत्पादक एक लघु उद्यम है जैसा कि अधिसूचना एस.ओ. 1702(ई), दिनांक 1 जून 2020 के तहत परिभाषित किया गया है और यह एमएसएमई क्षेत्र से संबंधित है।
  - घ. आवेदक ने परीक्षण प्रयोजनों के लिए नमूना आधार पर चीन और जापान से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। आयात की कम मात्रा को देखते हुए, आवेदक को घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र माना जाना चाहिए।
  - ड. आवेदक संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातक या भारत में पाटित वस्तुओं के आयातकों से संबंधित नहीं है।

##### घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

14. यह आवेदन सुपर्णा केमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जो वास्तव में भारत में समान वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। आवेदक ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि संबद्ध वस्तु के दो अन्य उत्पादक हैं, महिधर केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और नैसेंस लैब्स प्राइवेट लिमिटेड। हालाँकि, इन उत्पादकों ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन केवल बीच-बीच में, प्रति वर्ष \*\*\* से \*\*\* एमटी की नगण्य मात्रा में किया है।
15. आवेदक ने परीक्षण के परीक्षण के उद्देश्य से नमूना आधार पर संबद्ध तथा गैर-संबद्ध देशों से न्यूनतम मात्रा में एस.टी.बी. का आयात किया है। जांच अवधि के दौरान आवेदक ने चीन से \*\*\* किलोग्राम एस.टी.बी. तथा जापान से \*\*\* किलोग्राम एस.टी.बी. का आयात किया है। यह नोट किया जाता है कि चीन से आयात की मात्रा संबद्ध आयात, आवेदक के उत्पादन, आवेदक की बिक्री तथा भारत में मांग की तुलना में नगण्य है।
16. यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है। चूंकि आवेदक द्वारा आयात की मात्रा नगण्य है, इसलिए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के प्रावधानों के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र है।
17. यह नोट किया जाता है कि आवेदक भारत में समान वस्तु का प्रमुख उत्पादक है तथा भारतीय उत्पादन में उसका बड़ा हिस्सा है। अतः प्राधिकारी का मानना है कि आवेदक उत्पादक इस नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और यह आवेदन नियमावली के नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

### ड. गोपनीयता

#### ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

18. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं।

#### ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

19. गोपनीयता के संबंध में आवेदक द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं।

#### ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों विभिन्न पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।

21. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

“गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम



- (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
- (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

22. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच ऐसे दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को, जहां कहीं भी आवश्यक हुआ, स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन न की गई सूचना मानी गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

23. यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकार ने आवेदक द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है। आवेदक ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया है।

### च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

24. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं: -

क. जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझौ) कंपनी लिमिटेड ने सहयोग किया है और पूर्ण मूल्य श्रृंखला सूचना दी है, और इसके लिए व्यक्तिगत शुल्क निर्धारित किया जाना चाहिए।

ख. एसटीबी का औसत आयात कीमत सहयोगी निर्यातकों के निर्यात कीमतों को प्रतिबिंबित नहीं करता है, और असहयोगी निर्यातकों से आयात के कारण कम हो सकता है।

ग. भारत से यूरोपीय संघ को निर्यात कीमत को सामान्य मूल्य की गणना के लिए आधार नहीं माना जा सकता है। यूरोपीय संघ आर्थिक विकास में अंतर को ध्यान में रखते हुए एक उपयुक्त प्रतिनिधिक देश नहीं है, जैसा कि प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में भारी अंतर और यूरोपीय संघ में घरेलू उत्पादन की अनुपस्थिति से स्पष्ट है।

घ. कानून बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में प्रचलित कीमत पर विचार करने की अनुमति देता है, जो उस देश में घरेलू बिक्री कीमत होना चाहिए न कि ऐसे देश में आयात कीमत। ग्लाइसिन के मामले में भारत से तीसरे देश को निर्यात की कीमत को सामान्य मूल्य के आधार के रूप में अस्वीकार कर दिया गया था।

#### च.2. घरेलू उद्योग के विचार

25. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चीन जन.गण. को चीन के आरोहरण प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य नियमावली के अनुबंध I, नियम 7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
- ख. सामान्य मूल्य की गणना के लिए वर्तमान जांच के उद्देश्य से यूरोपीय संघ को एक प्रतिनिधिक देश के रूप में माना जाना चाहिए।
- ग. सामान्य मूल्य की गणना के उद्देश्य से, भारत से यूरोपीय संघ को समान वस्तु के निर्यात की कीमत पर विचार किया गया है क्योंकि यह यूरोपीय संघ में प्रचलित कीमतों को दर्शाती है।
- घ. चूंकि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतें उपलब्ध हैं, इसलिए सामान्य मूल्य की गणना भारत से समान वस्तु के निर्यात कीमतों के आधार पर की जानी चाहिए क्योंकि यह नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के तहत दी गई कार्यप्रणाली में निहित पूर्वाता का पालन करता है।
- ड. शेनयांग मस्तुशिता एस. बैटरी कंपनी लिमिटेड बनाम एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं अन्य (अपील (सिविल) 6371/2023) के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी नोट किया कि सामान्य मूल्य का निर्माण उचित आधार पर ही किया जाना चाहिए, जिसमें सामान्य मूल्य की गणना के लिए अन्य पद्धतियां नहीं अपनाई जा सकतीं।
- च. वर्तमान जांच के लिए यूरोपीय संघ एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश है क्योंकि यह एसटीबी के लिए सबसे बड़ा बाजार है और केटीबी के लिए जापान के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। जापान को निर्यात की कीमत यूरोपीय संघ की तुलना में अधिक है।
- छ. उत्पाद की खपत कीमतों की तुलना दर्शाने वाला एक प्रमुख कारक है और यूरोपीय संघ सबसे बड़े बाजार के रूप में कार्य करते हुए इसकी कीमतों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में प्रचलित कीमतों के रूप में विचार के लिए उपयुक्त बनाता है। यहां तक कि निर्यातक ने दावा किया है कि यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तुओं का कोई उत्पादन नहीं है। ऐसी स्थिति में यूरोपीय संघ में प्रचलित कीमतें यूरोपीय संघ में प्रवेश कर रहे संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों द्वारा शासित होती हैं।
- ज. निर्यातकों ने किसी वैकल्पिक अर्थव्यवस्था का सुझाव नहीं दिया है, जिस पर इस उद्देश्य से विचार किया जा सके।
- झ. पिछले मामलों में सामान्य मूल्य के आधार के रूप में किसी उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश को निर्यात की कीमतों पर विचार किया गया है, जैसे कि चीन से 3% से कम जल अवशोषण के साथ पॉलिश या अनपॉलिश फिनिश में ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड पोरसिलेन/विट्रिफाइड टाइल्स की पाटनरोधी जांच (फा.सं. 7/39/2020-डीजीटीआर) जिसमें चीन के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए भारत से यूएसए को निर्यात की कीमत पर विचार किया गया था।
- ञ. अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क का अनुरोध करने वाले उत्पादक/निर्यातक के दावों और असहयोगी निर्यातकों के कारण कम आयात कीमतों के संबंध में उसके संबंध में दी गई जानकारी के आधार पर गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।
- ट. भारत में देय कीमत के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किए जाने पर भी अधिक पाटन होता है।

### च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

#### चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

26. प्राधिकारी चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित संगत प्रावधानों को नोट करते हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के अंतर्गत प्रावधान निम्नानुसार हैं:

7. "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

8.(1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या: (क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं, तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

(4) तथापि, उप पैरा (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में मान सकते हैं जिसे संगत मानदंडों, जिनमें उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंड शामिल हैं, के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी देश द्वारा, जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है, पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन के लिए सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना गया है अथवा माने जाने के लिए निर्धारित किया गया है।

27. जांच की शुरुआत के चरण में, प्राधिकारी चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानने की धारणा के साथ आगे बढ़े। जांच की शुरुआत किए जाने पर, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. में उत्पादकों/निर्यातकों को जांच की शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर देने की सलाह दी कि क्या उनके आंकड़े/सूचना को सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है। प्राधिकारी ने इस संबंध में संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए चीन जन.गण. में सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा/अनुपूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं।

28. विश्व व्यापार संगठन में चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

“(क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद- VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती है तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ क (II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।”

29. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15(क)(ii) में दिए गए निहित प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए हैं, तथापि एक्सेसन प्रोटोकॉल के 15(क)(i) के अधीन दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अंतर्गत प्रावधानों में भारत की नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 में निर्धारित मापदंड को बाजार

अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे संबंधी पूरक प्रश्नावली में दी जाने वाली सूचना/आंकड़ों के ज़रिए पूरा करना अपेक्षित है।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 में उल्लिखित अनुमानों का खंडन करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार आगे बढ़ना होगा।
31. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैराग्राफ 7 में गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए सामान्य मूल्य तय करने के तीन तरीके निर्धारित किए गए हैं: (क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा तय किए गए मूल्य के आधार पर; (ख) तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत; और (ग) किसी अन्य उचित आधार पर। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैराग्राफ 7 के प्रावधानों के तहत, सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रतिनिधिक देश में कीमत या तय किए गए मूल्य, या ऐसे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात की कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए।
32. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि नियमों के ढांचे के अनुसार यूरोपीय संघ में कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना उचित है क्योंकि उक्त पद्धति नियमों में प्रदान की गई अन्य पद्धतियों पर वरीयता रखती है।
33. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार करने के लिए संगत मापदंडों की जांच की है कि क्या यूरोपीय संघ को चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जा सकता है। यह निर्विवाद है कि यूरोपीय संघ और चीन के बीच आर्थिक विकास के स्तरों में बहुत अधिक अंतर है। इसके अलावा यह भी पता नहीं चल पाया है कि समग्र यूरोपीय संघ के बाजार में विचाराधीन उत्पाद के लिए भारतीय निर्यात का हिस्सा कितना है और क्या इसे यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य का प्रतिनिधि माना जा सकता है। उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यूरोपीय संघ में भारतीय निर्यात की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करना उचित नहीं समझते हैं।
34. इसलिए प्राधिकारी ने विधिवत समायोजित और बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद, आवेदक की उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित तय किए गए सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण केटीबी

जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

35. चीन जन.गण. के एक निर्माता, जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझौ) कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया है। उक्त कंपनी द्वारा दाखिल ईक्यूआर से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान, जेनकेम

एंड जेनफार्म ने भारत को \*\*\* मीट्रिक टन एमटी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात \*\*\* अम.डा. में किया है। भारत को की गई बिक्री के लिए समुद्री माल, समुद्री बीमा, बंदरगाह व्यय, बैंक शुल्क, कमीशन और अंतर्देशीय माल के लिए समायोजन का दावा किया गया है। वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से इसे स्वीकार कर लिया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित निर्यात कीमत निर्धारित किया है।

#### **चीन जन.गण. के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

36. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

#### **एसटीबी**

#### **जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत**

37. चीन जन. गण. के एक निर्माता, जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्यातकों की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया है। उक्त कंपनी द्वारा दाखिल ईक्यूआर से यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान, जेनकेम एंड जेनफार्म ने भारत को \*\*\* मीट्रिक टन एमटी का निर्यात \*\*\* अम.डा. में किया है। भारत को बिक्री के लिए समुद्री माल, समुद्री बीमा, बंदरगाह व्यय, बैंक शुल्क, कमीशन और अंतर्देशीय माल के लिए समायोजन का दावा किया गया है। वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से इसे स्वीकार कर लिया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित निर्यात कीमत निर्धारित किया है।

#### **चीन जन. गण. से अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

38. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है।

#### **यूएसए के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

39. चूंकि यूएसए के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के तरीके के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया गया है, इसलिए इसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। सामान्य मूल्य पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर विचार करने का प्रस्ताव है, जिसे उचित लाभ के लिए समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है।

#### **यूएसए के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

40. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के लेन-देनवार आंकड़ों के आधार पर यूएसए के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। तदनुसार, यूएसए के सभी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समुद्री माल दुलाई, समुद्री बीमा, बंदरगाह व्यय, बैंक शुल्क, कमीशन और अंतर्देशीय माल दुलाई के लिए उचित समायोजन करने के बाद निर्धारित किया गया है।

**पाटन मार्जिन**

41. वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार हैं: -

**केटीबी के लिए**

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	सामान्य मूल्य (यूएस डा./एमटी)	निर्यात कीमत (यूएस डा./एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएस डा./एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (रेंज)
चीन जन.गण.						
1	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
2	अन्य सभी	***	***	***	***	20-30
यूएसए						
1	अन्य सभी	***	***	***	***	10-20

**एसटीबी के लिए**

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	सामान्य मूल्य (यूएस डा./एमटी)	निर्यात कीमत (यूएस डा./एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएस डा./एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (रेंज)
चीन जन.गण.						
1	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
2	अन्य सभी	***	***	***	***	20-30

**छ. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच**

42. घरेलू उद्योग का क्षति आकलन संबद्ध देशों से केटीबी के आयात के लिए संचयी आधार पर किया गया है। एसटीबी के लिए क्षति का आकलन संबद्ध देश अर्थात् चीन जन.गण. से आयात के आधार पर किया गया है।

**छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

43. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. चीन और अमेरिका से केटीबी के आयात को संचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसे आयात प्रतिस्पर्धा की समान स्थितियों का सामना नहीं करते हैं। 2021-22 और 2022-23 में चीन से कोई आयात नहीं हुआ और 2019-20 और जांच की अवधि के दौरान मात्रा बहुत कम थी।
- ख. जबकि घरेलू बिक्री समान रही, निर्यात बिक्री में गिरावट आई, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई। निर्यात बिक्री में गिरावट ने उत्पादन की लागत को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ।
- ग. संविदात्मक श्रम लागत कुल श्रम लागत का एक हिस्सा है और नियमों के अनुबंध III के अनुसार इसे क्षमता उपयोग पर मानकीकृत किया जाना चाहिए। अनुबंध-III निश्चित श्रम/स्थायी श्रम और संविदात्मक श्रम के बीच अंतर नहीं करता है।
- घ. प्रदर्शन में गिरावट के बावजूद केटीबी के उत्पादन के लिए कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है।
- ड. क्षमता में वृद्धि के बिना केटीबी की मूल्यहास लागत, ब्याज लागत, लगाई गई पूंजी और निवल अचल संपत्तियों में वृद्धि के कारण की जांच की जानी चाहिए।
- च. एसटीबी के मामले में, क्षमता में वृद्धि के बिना मूल्यहास लागत और ब्याज लागत में वृद्धि हुई है।

## छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

44. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. नियमों के तहत संचयी मूल्यांकन का प्रावधान एक अनिवार्य प्रावधान है और वर्तमान मामले में इसमें निर्धारित शर्तें पूरी की जाती हैं।
- ख. संचय की आवश्यकता का आकलन करते समय अलग-अलग संबद्ध देशों से आयात की मात्रा और कीमत संगत नहीं हैं। क्षति मूल्यांकन से पता चलेगा कि चीन और यूएसए से आयात क्षति का कारण बना है, भले ही आयात को घटाया गया हो।
- ग. पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद, केटीबी के आयात में वृद्धि हुई है।
- घ. अन्य बाजारों और भारतीय बाजार में केटीबी की कीमत में अंतर आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बढ़ गया है और चार गुना हो गया है।
- ड. केटीबी के संबंध में, कच्चे माल, यानी पोटेशियम धातु की कीमत 2021-22 से बढ़ी है। हालांकि, 2022-23 तक पहुंच कीमत में केवल मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन उसके बाद गिरावट आई है।
- च. बढ़े हुए आयातों के मद्देनजर, घरेलू उद्योग को कम उपयोग की गई क्षमताओं से नुकसान उठाना पड़ा है और उसने आयातों के कारण अपना बाजार हिस्सा खो दिया है।
- छ. घरेलू उद्योग के बिक्री कीमत के अनुरूप पहुंच कीमत में वृद्धि नहीं हुई है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव पैदा हुआ है।
- ज. क्षति अवधि में कीमत कटौती में वृद्धि हुई है।
- झ. केटीबी के आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबा दिया है और उन्हें निराश किया है।
- ञ. घरेलू उद्योग घाटे की कीमतों पर बिक्री करके ही केटीबी की बिक्री को बनाए रखने में सक्षम रहा है। तब भी घरेलू उद्योग की बिक्री केटीबी की मांग के अनुरूप नहीं बढ़ी।
- ट. अपने बाजार को बनाए रखने के प्रयास में घाटे की कीमतों पर बेचने के कारण केटीबी के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।
- ठ. जांच की अवधि में नकद लाभ में गिरावट आई है और यह नकद घाटे में बदल गया है।
- ड. निर्यात बाजार में केटीबी के लिए लाभप्रदता सभ्य बनी हुई है, जो दर्शाती है कि घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों ने घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट का कारण बना है।
- ढ. घरेलू उद्योग अपने निवेश पर कोई रिटर्न अर्जित करने या अपने ऋण दायित्वों को पूरा करने के लिए भी लाभ नहीं कमा पाया है।
- ण. एसटीबी के संबंध में, घरेलू उद्योग की स्थिति बहुत खराब है क्योंकि यह परिचालन जारी रखने के लिए भी संघर्ष करता है। एस.टी.बी. के आयात में निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने बाजार में प्रमुख हिस्सा ले लिया है। मांग में वृद्धि की तुलना में संबद्ध आयात में अधिक वृद्धि हुई है।



- त. एस.टी.बी. के आयात में वृद्धि ऐसे आयातों की कीमतों में गिरावट के साथ मेल खाती है।
- थ. एसटीबी के आयात में वृद्धि ऐसे आयातों की कीमतों में गिरावट के साथ मेल खाती है।
- द. कम कीमत वाले आयातों ने घरेलू उद्योग को अल्पमत में धकेल दिया है क्योंकि कीमत में कटौती बढ़ गई है।
- ध. हालांकि कच्चे माल, यानी सोडियम धातु की कीमत 2021-22 से बढ़ी है, एसटीबी की पहुंच कीमत उसी प्रवृत्ति का पालन नहीं करती है और गिर गई।
- न. एसटीबी के आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत से कम हैं, जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव बन रहा है।
- प. एसटीबी के आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबा दिया है और उन्हें कम कर दिया है।
- फ. भारतीय बाजार की तुलना में अन्य बाजारों में एसटीबी की कीमत में अंतर बढ़ गया है और यह भारतीय बाजार की कीमत से दोगुने से भी अधिक है।
- ब. एसटीबी के आयात की बाजार हिस्सेदारी बढ़ने के कारण घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग कम हो गया है।
- भ. घरेलू उद्योग ने पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद अपनी बाजार हिस्सेदारी खो दी है।
- म. घाटे को कम करने के प्रयास में थोड़ी अधिक कीमत पर बेचने के बावजूद घरेलू उद्योग को नकद घाटे सहित महत्वपूर्ण घाटे का सामना करना पड़ा है।
- य. एसटीबी के कम कीमत वाले आयात ने उत्पादन में गिरावट के कारण संविदात्मक श्रम के माध्यम से रोजगार पैदा करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।
- कक. संबंधित आयातों ने इसके ऋण दायित्वों को पूरा करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है तथा घरेलू उद्योग को अपने निवेशों पर कोई भी लाभ अर्जित करने से रोका है।
- खख. केटीबी के कर्मचारियों की संख्या में उत्पादन और बिक्री में वृद्धि के कारण वृद्धि हुई है।
- गग. पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध है, तथा घरेलू उद्योग को क्षति किसी अन्य कारक के कारण नहीं हुई है।
- घघ. घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में गिरावट से क्षति नहीं हुई है, क्योंकि यदि निर्यात बिक्री में गिरावट नहीं भी आती है, तो भी घरेलू उद्योग को केटीबी के लिए लाभप्रदता में गिरावट तथा एसटीबी के लिए घाटे का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, निर्यात बिक्री की मात्रा नगण्य है तथा इससे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा होगा।
- ड.ड. घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई कुल लागतों की तुलना में घरेलू उद्योग की ब्याज लागत महत्वहीन है। इसका घरेलू उद्योग की समग्र लागतों तथा निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- चच. घरेलू उद्योग ने ड्रायरों के प्रतिस्थापन और उपयोगिता उत्पादन के लिए परिसंपत्तियों की खरीद पर व्यय किया है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन क्षमता में वृद्धि के बिना निवल अचल परिसंपत्तियों और मूल्यहास लागत में वृद्धि हुई है।
- छछ. वर्तमान मामले में, काम पर रखा गया संविदात्मक श्रमिक उत्पादन स्तरों पर निर्भर करता है जो ऐसे श्रम को एक परिवर्तनीय लागत बनाता है। संविदात्मक श्रम प्रत्यक्ष श्रम का एक हिस्सा है और इसे परिचालन प्रक्रियाओं के मैनुअल के तहत प्रदान की गई परिवर्तनीय लागतों के तहत हिसाब में लिया जाता है। कार्य-पद्धति के अनुसार, ऐसी परिवर्तनीय लागतों को क्षति की अवधि में मानकीकृत नहीं किया जाना चाहिए।

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

45. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रतितर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा नीचे किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का निवारण करता है।
46. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में, “... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए” घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में, यह जांच करना आवश्यक माना जाता है कि क्या भारत वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों

का काफी मात्रा में हास करना अथवा कीमत वृद्धि रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन आदि की मात्रा और मार्जिन पर नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

47. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की जांच की गई है और संगत मापदंडों के अंतर्गत उनका इसके नीचे समाधान किया गया है।

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मापदंड गिरावट दर्शाते हों। कुछ पैरामीटर मापदंड गिरावट दर्शा सकते हैं, जबकि कुछ अन्य नहीं दर्शा सकते हैं। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के वित्तीय मापदंडों का आकलन करने के लिए सभी क्षति मापदंडों पर विचार करता है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति मापदंडों की वस्तुपरक तरीके से जांच की है।

### **छ.3.1 केटीबी के संबंध में क्षति का आकलन आयात का संचयी आकलन**

49. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) में यह प्रावधान है कि यदि जहां एक से अधिक देश से उत्पाद के आयात पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन साथ-साथ रखे जा रहे हों, वहां प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन संचयी रूप से करेंगे, यदि वह निर्धारित करता है कि:

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक निर्यात की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात के 3 प्रतिशत (अथवा उससे अधिक) है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक होता है, और

ख. आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में उपयुक्त है।

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में, पाटन का मार्जिन और दोनों देशों से आयात की मात्रा संचयी मूल्यांकन के नियमों में निर्दिष्ट आवश्यकता को पूरा करती है। प्रतिस्पर्धा की शर्तों के संदर्भ में, यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि चीन और अमेरिका से आयातित माल एक ही बाजार में और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए माल के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। संबद्ध देशों के घरेलू उत्पादक और निर्यातक एक ही श्रेणी के ग्राहकों को समान उत्पाद बेचते हैं और दोनों एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। दोनों उत्पादों का उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा रहा है।

51. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह प्रस्ताव करते हैं कि:

- क. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा आयात की कुल मात्रा के 3% से अधिक है।

ग. आयात के प्रभावों का संचयी आकलन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा पेश की जाने वाली समान वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करता है, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जाने वाली समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा करता है।

52. तदनुसार, प्राधिकारी प्रस्ताव करते हैं कि घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करना उचित होगा।

**क. मांग/स्पष्ट खपत का आकलन**

53. वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए, प्राधिकारी ने भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार से आंकलित मांग नीचे दी गई तालिका में दी गई है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री*	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	106	121
संबद्ध आयात	एमटी	91	108	121	161
अन्य देशों से आयात	एमटी	3	-	-	-
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	113	138

**\*केटीबी**

54. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है।

**ख. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव**

55. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में, चाहे निरपेक्ष रूप से या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष, कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए लेन-देन-वार आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा और पाटित आयात का हिस्सा निम्नानुसार है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
संबद्ध देश	एमटी	91	108	121	161
चीन जन.गण.	एमटी	10	-	-	27
यूएसए	एमटी	81	108	121	135
अन्य	एमटी	3	-	-	-
कुल आयात	एमटी	94	108	121	161
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयात	%	97%	100%	100%	99%
उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	137	143
खपत	एमटी	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	119	129
-----------	----------	-----	-----	-----	-----

**\*केटीबी**

56. यह देखा गया है कि:

- क. क्षति अवधि में संबद्ध आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से तथा सापेक्ष रूप से सतत वृद्धि हुई है।  
 ख. निरपेक्ष रूप से, क्षति अवधि में संबद्ध आयातों में \*\*\*% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।  
 ग. उत्पादन के संबंध में आयातों में \*\*\*% तथा उपभोग के संबंध में \*\*\*% की वृद्धि हुई है।  
 घ. संबद्ध आयात देश में कुल मांग का \*\*\*% है।  
 ङ. जांच अवधि के दौरान गैर-संबद्ध देशों से कोई आयात नहीं हुआ है।

**ग. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

57. संबद्ध देशों से आयात के कीमत प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित आयातों के कारण कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करना या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य क्रम में होता। संबद्ध देशों से आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

**क) कीमत में कटौती**

58. कीमत में कटौती का आकलन आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के घरेलू बिक्री कीमत से करके किया गया है, जिसमें सभी छूट और करों को समान घरेलू स्तर पर घटा दिया गया है, घरेलू उद्योग की कीमतें कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई थीं।

विवरण*	यूनिट	चीन जन.गण	यूएसए	संबद्ध देश
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/एमटी	***	***	***
पहुंच कीमत	₹/एमटी	10,15,450	10,26,719	10,24,865
कीमत में कटौती	₹/एमटी	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***
कीमत में कटौती	रेंज	5-15%	5-15%	5-15%

**\*केटीबी**

59. यह देखा गया है कि जांच अवधि में कीमत में कटौती सकारात्मक एवं अधिक है।

**ख) कीमत ह्रास/न्यूनीकरण**

60. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को महत्वपूर्ण सीमा तक दबाना है या कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य रूप से हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागतों और कीमतों में हुए परिवर्तनों की जांच की है।

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
बिक्री लागत	₹/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	127	127
बिक्री कीमत	₹/एमटी	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	116	110
पहुंच कीमत	₹/एमटी	9,65,789	9,86,641	10,60,490	10,24,865
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	110	106

**\*केटीबी**

61. यह देखा गया है कि 2021-22 में बिक्री की लागत, बिक्री कीमत और पहुंच कीमत में लगभग समान दर से वृद्धि हुई है। हालांकि, 2022-23 में, हालांकि बिक्री की लागत में काफी वृद्धि हुई, लेकिन घरेलू उद्योग पहुंच कीमत के कमतर होने के कारण इसके अनुरूप अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं था। इसके बाद, जांच की अवधि में, बिक्री की लागत में मामूली गिरावट आई, जबकि बिक्री कीमत में उच्चतर दर से गिरावट आई। पूरी क्षति अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में \*\*\*% की वृद्धि हुई, लेकिन घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत में केवल \*\*\*% की वृद्धि करने में सक्षम था। इस प्रकार, आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव डाला है।

**घ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड**

62. नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, लगाई गई पूंजी पर आय, क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट शामिल है; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव। तदनुसार, क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन की जांच की गई है।

**क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा**

63. क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	139	139
कुल उत्पादन(पीयूसी+ एनपीयूसी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	117	112
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	84	81

उत्पादन (पीयूसी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	111	119
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	106	122

**\*केटीबी**

64. प्राधिकरण ने नोट किया है कि क्षति अवधि में क्षमता में \*\*\*% की वृद्धि हुई है। उत्पादन और बिक्री में भी वृद्धि हुई है। ऐसा क्षमता में वृद्धि और इस तथ्य के कारण हुआ कि घरेलू उद्योग ने डंप किए गए आयातों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी बिक्री कीमतों को कम कर दिया। हालांकि, देश में महत्वपूर्ण मांग होने के बावजूद घरेलू उद्योग को कम क्षमता उपयोग से नुकसान उठाना पड़ा है।

65. इन अनुरोधों के संबंध में कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के बिना घरेलू उद्योग की निवल अचल परिसंपत्तियों, मूल्यहास लागत और लगाई गई पूंजी में वृद्धि हुई है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने उपयोगिताओं और ड्रायरो के प्रतिस्थापन के लिए परिसंपत्तियों पर व्यय किया है।

**ख) बाजार हिस्सा**

66. घरेलू उद्योग और आयात का बाजार हिस्सा नीचे तालिका में दर्शाया गया था:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	93	88
संबद्ध देश	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	117	128
अन्य देश	%	***	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-	-	-
कुल	%	100	100	100	100

**\*केटीबी**

67. यह देखा गया है कि जबकि संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा बढ़ा है, घरेलू उद्योग और गैर-संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा क्षति अवधि के दौरान कम हुआ है। इस प्रकार, आयातों ने घरेलू उद्योग और गैर-संबद्ध देशों के बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

**ग) मालसूची**

68. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
प्रारंभिक	एमटी	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	एमटी	***	***	***	***
औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	46	30
-----------	----------	-----	----	----	----

**\*केटीबी**

69. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास औसत मालसूची में गिरावट आई है।

**घ) लाभप्रदता, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल**

70. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
बिक्री लागत	₹/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	127	126
बिक्री कीमत	₹/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	108	109
प्रति यूनिट	₹/एमटी	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	44	(1)
कुल लाभ/(हानि)	₹ लाख	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	47	-2
नकद लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	52	10
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	120	42	0.1

**\*केटीबी**

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. घरेलू उद्योग के प्रति इकाई लाभ में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और जांच अवधि में यह घाटे में परिणत हो गया है।
- ख. 2021-22 में लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल और नकद लाभ में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन उसके बाद इसमें गिरावट आई।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल नगण्य है।

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम नहीं रहा है। तदनुसार, घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को जांच अवधि में घाटे का सामना करना पड़ा है।

73. अन्य हितवद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि ब्याज लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता गिरावट आई है। हालांकि, घरेलू उद्योग की ब्याज लागत कुल लागत की तुलना में नगण्य है और घरेलू उद्योग की समग्र लागत और प्रदर्शन पर इसका कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

**ड.) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता**

74. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित सूचना की जांच की है, जो नीचे दी गई है।

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	109	126
प्रति दिन उत्पादकता	एमटी/दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	111	119
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	102	95
वेतन और मजदूरी	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	75	67	82

**\*केटीबी**

75. यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। क्षति के दौरान प्रति दिन उत्पादकता स्थिर रही है। हालांकि, 2021-22 में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई और उसके बाद मूल स्तर पर गिरावट आई। क्षति की अवधि में वेतन और मजदूरी में गिरावट आई है।

**च) पाटन की मात्रा**

76. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं को भारत में पाटित किया जा रहा है तथा पाटन मार्जिन सकारात्मक एवं अधिक है।

**छ) वृद्धि**

विवरण*	यूनिट	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
उत्पादन	%	28	-13%	7%
घरेलू बिक्रियां	%	11	-4%	15%
लाभ/हानि	%	5%	-117%	-92%
नकद लाभ	%	3%	-106%	-275%
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	20%	-111%	-103%

**\*केटीबी**

77. यह नोट किया जाता है कि पिछले वर्ष की तुलना में 2022-23 में उत्पादन, बिक्री, लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल ने नकारात्मक वृद्धि दर्शाई है। इसके अलावा, घरेलू बिक्री को छोड़कर जांच की अवधि के दौरान भी सभी मापदंडों ने गिरावट दर्शाई है।

**ज) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता**

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति की अवधि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में गिरावट आई और यह जांच की अवधि में नकारात्मक है। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की अपनी पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।



**झ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत 2021-22 के बाद घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री की लागत से कम है। आयातों ने मूल्य वृद्धि को रोका है, जो अन्यथा हुई होती, और घरेलू उद्योग की कीमतों को कम किया है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री की लागत से कम कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे जांच की अवधि में नुकसान हुआ है। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने भारत में घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

**छ.3.2 एसटीबी के संबंध में क्षति का आकलन****क. मांग/स्पष्ट खपत का आकलन**

80. प्राधिकारी ने भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत को घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है।

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	179	104	62
संबद्ध देश	एमटी	16	280	399	291
अन्य देशों का आयात	एमटी	-	0.005	0.006	-
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	279	256	175

**\*एसटीबी**

81. यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में 2021-22 में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है। कुल मिलाकर, क्षति की अवधि में मांग में वृद्धि हुई है।

**ख. पाटित आयातों मात्रा प्रभाव**

82. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में, चाहे निरपेक्ष रूप से या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष, कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए लेन-देन-वार आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा और क्षति जांच अवधि के दौरान पाटित आयात का हिस्सा इस प्रकार है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
संबद्ध देश	एमटी	16	280	399	291
अन्य	एमटी	-	0.005	0.006	-
कुल आयात	एमटी	16	280	399	292
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयात	%	100	100	100	100

भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1009	2126	2625
भारतीय मांग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	627	971	1,043

**\*एसटीबी**

83. यह देखा गया है कि:

- क. संबद्ध आयातों की मात्रा 2022-23 तक बढ़ी है तथा जांच की अवधि में मांग में गिरावट के साथ इसमें कमी आई।  
 ख. समग्र रूप से, संबद्ध आयातों में क्षति अवधि में \*\*\*% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।  
 ग. संबद्ध आयातों में भी उत्पादन के संबंध में \*\*\*% तथा क्षति की अवधि में खपत के संबंध में \*\*\*% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।  
 घ. आयातों का देश में कुल मांग में \*\*\*% हिस्सा है। यह भी नोट किया जाता है कि उत्पाद किसी असंबद्ध देश से आयात नहीं किया जाता है।

**ग. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

84. संबद्ध देश से आयात के कीमत प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित आयातों के कारण कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करना या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य क्रम में होता। संबद्ध देश से आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

**क) कीमत में कटौती**

85. कीमत में कटौती का आकलन आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के घरेलू विक्रय मूल्य से करके किया गया है, जिसमें व्यापार के समान स्तर पर सभी छूट और करों को घटा दिया गया है, घरेलू उद्योग की कीमतें कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई थीं।

विवरण*	यूनिट	चीन जन.गण.
निवल बिक्री वसूली	₹/एमटी	***
पहुंच कीमत	₹/एमटी	3,48,872
कीमत में कटौती	₹/एमटी	***
कीमत में कटौती	%	***
कीमत में कटौती	रेंज	10-20%

**\*एसटीबी**

86. यह देखा गया है कि जांच की अवधि में कीमत में कटौती सकारात्मक और अधिक है। घरेलू उद्योग ने इस बात पर जोर दिया है कि जिस अवधि में संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है, वह आयात कीमतों में गिरावट के साथ मेल खाती है।

**ख) कीमत ह्रास/न्यूनीकरण (केटीबी एवं एसटीबी)**

87. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ना है अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य रूप से हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागतों और कीमतों में हुए परिवर्तनों की जांच की है।

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	102	129	124
बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	101	110	117
पहुंच कीमत	रु./एमटी	3,98,923	3,56,282	3,64,536	3,48,872
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	89	91	87

#### \*एसटीबी

88. यह नोट किया जाता है कि 2021-22 में बिक्री की लागत और बिक्री कीमत में मामूली वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान पहुंच कीमत में \*\*\*% की गिरावट आई है। इसके बाद, बिक्री की लागत में \*\*\*% की वृद्धि हुई, लेकिन पहुंच कीमत बहुत कम होने के कारण बिक्री कीमत में केवल \*\*\*% की वृद्धि हो सकी। जांच की अवधि के दौरान, बिक्री की लागत में \*\*\*% की गिरावट आई। हालांकि, घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत में \*\*\*% की मामूली वृद्धि करने में सक्षम रहा। फिर भी, बिक्री की लागत की तुलना में बिक्री कीमत कम रही। क्षति अवधि के दौरान, बिक्री की लागत में \*\*\*% की वृद्धि हुई। हालांकि, घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में केवल \*\*\*% की वृद्धि करने में सक्षम रहा, क्योंकि पहुंच कीमत कम हो गई। इस प्रकार, आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम किया है।

#### घ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

89. नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, लगाई गई पूंजी पर आय, क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट शामिल है; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव। तदनुसार, क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन की जांच की गई है।

#### क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा

90. क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
--------	-------	---------	---------	---------	--------------

क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
कुल उत्पादन (पीयूसी+एनपीयूसी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	117	112
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	117	112
उत्पादन (पीयूसी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	117	69
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	179	104	62

#### \*एसटीबी

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में क्षमता स्थिर रही है। घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग 2021-22 तक बढ़ा है और उसके बाद जांच अवधि में इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग अपने इष्टतम स्तर पर परिचालन करने या अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग करने में सक्षम नहीं रहा है।

92. इन अनुरोधों के संबंध में कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के बिना घरेलू उद्योग की मूल्यहास लागत में वृद्धि हुई है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने उपयोगिताओं और ड्रायर के प्रतिस्थापन के लिए परिसंपत्तियों पर खर्च किया है।

#### ख) बाजार हिस्सा

93. घरेलू उद्योग और आयात का बाजार हिस्सा नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	41	36
संबद्ध देश	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	627	971	1,043
अन्य देश	%	-	-	-	-
कुल	%	100	100	100	100

#### \*एसटीबी

94. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में काफी गिरावट आई है। दूसरी ओर, संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में दस गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में सीधे तौर पर गिरावट आई है।

#### ग) मालसूची

95. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
प्रारंभिक माल सूची	एमटी	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	एमटी	***	***	***	***
औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	58	72	30

**\*एसटीबी**

96. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के पास औसत मालसूची 2021-22 में घटी, 2022-23 में बढ़ी और फिर जांच की अवधि में फिर से घटी। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि उसने अपने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए उक्त अवधि में अलाभकारी कीमतों पर बिक्री की है।

**घ) लाभप्रदता, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल**

97. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का लाभ, नकद लाभ और लगाई पूंजी पर प्रतिफल नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
बिक्री लागत	₹/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	129	124
बिक्री कीमत	₹/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	110	117
प्रति यूनिट लाभ	₹/एमटी	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	(668)	(161)
कुल लाभ/(हानि)	₹ लाख	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	(695)	(100)
नकद लाभ	₹ लाख	***	***	(***)	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	(179)	6
लगाई गई पूंजी पर प्रति फल	%	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	(529)	(117)

**\*एसटीबी**

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग को नकद लाभ सहित लाभ में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को 2022-23 और जांच की अवधि में घाटा हुआ।

ख. जांच अवधि के दौरान, बिक्री की लागत में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग के घाटे में थोड़ी कमी आई है। हालांकि, घरेलू उद्योग को लगातार अधिक घाटा हुआ है।

ग. लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में पूरी क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई और 2022-23 और जांच अवधि में यह नकारात्मक रही।

99. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि व्याज लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। हालांकि, घरेलू उद्योग की व्याज लागत कुल लागत की तुलना में नगण्य है और घरेलू उद्योग की समग्र लागत और प्रदर्शन पर इसका कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

#### ड.) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

100. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित सूचना की जांच की है, जो नीचे दी गई है।

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	115	73
प्रतिदिन उत्पादकता	एमटी/दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	176	117	69
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	102	95
वेतन एवं मजदूरी	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	82	57

#### \*एसटीबी

101. यह नोट जाता है कि क्षति की अवधि में कर्मचारियों की संख्या, उत्पादकता और मजदूरी में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग द्वारा सृजित संविदात्मक रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, क्योंकि इसके संविदात्मक श्रम में गिरावट आई है।

#### च) पाटन की मात्रा

102. यह नोट जाता है कि संबद्ध वस्तुओं को भारत में पाटित किया जा रहा है तथा पाटन मार्जिन सकारात्मक एवं अधिक है।

#### छ) वृद्धि

विवरण*	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23
उत्पादन	%	73.74	-32.52	-40.79
घरेलू बिक्रियां	%	78.96	-41.83	-40.23
लाभ /हानि	%	15.38	-702.41	-85.54
नकद लाभ	%	-30.09	-345.59	-105.64
लगआई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	-17.62	-741.60	-77.91

#### \*एसटीबी

103. यह नोट किया जाता है कि 2021-22 में उत्पादन, बिक्री, लाभ और नकद लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। 2022-23 में उत्पादन, घरेलू बिक्री, लाभ, नकद लाभ और लगआई गई पूंजी पर प्रतिफल में नकारात्मक वृद्धि देखी गई है। जांच की अवधि में, उत्पादन और घरेलू बिक्री में और गिरावट आई है, जबकि लाभ,

नकद लाभ और लगई गई पूंजी पर प्रतिफल में 2022-23 की तुलना में सुधार हुआ है। हालांकि, सुधार के बावजूद, घरेलू उद्योग को घाटे और नकारात्मक प्रतिफल का सामना करना पड़ रहा है।

#### ज) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। 2022-23 से घरेलू उद्योग का लाभ घाटे में परिणत हो गया। जांच की अवधि में घाटे में कमी आने से लाभप्रदता में सुधार हुआ। हालांकि, घरेलू उद्योग को भारी घाटा उठाना जारी रहा। घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित प्रतिफल में भी गिरावट आई है और 2022-23 और जांच की अवधि में यह नकारात्मक रहा। इस प्रकार, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

#### झ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत 2022-23 और जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री की लागत से कम है। इसके कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री की लागत से कम कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिसके कारण 2022-23 और जांच की अवधि में घाटा हुआ है। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने भारत में घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

#### ज. क्षति मार्जिन की मात्रा

106. विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत जांच अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित की गई है। क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबद्ध देशों से प्राप्त पहुंच की से तुलना करने के लिए क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है।

107. संविदात्मक श्रम पर किए गए व्यय को परिवर्तनीय लागत के भाग के रूप में माना गया है क्योंकि यह उत्पादन स्तर पर निर्भर एक प्रत्यक्ष लागत है।

108. क्षति रहित कीमत निर्धारित करने के लिए, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। उपयोगिताओं के साथ भी यही व्यवहार किया गया है।

109. क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन लागत पर कोई असाधारण या गैर-आवर्ती व्यय नहीं लगाया जाए। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल अचल संपत्तियां तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित (कर-पूर्व @ 22%) को क्षति रहित कीमत पर पहुंचने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी।

110. सहयोगी निर्यातक के लिए पहुंच कीमत निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है। संबद्ध देशों के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत निर्धारित की है।

111. उपर्युक्त के अनुसार निर्धारित पहुंच कीमत तथा क्षति रहित कीमत के आधार पर, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है तथा इसे नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है-

#### केटीबी के लिए क्षति मार्जिन

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		अम.डा//एमटी	अम.डा//एमटी	अम.डा/एमटी	%	रेंज
चीन जन.गण.						
1	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
2	कोई अन्य	***	***	***	***	10-20
यूएसए						
1	कोई निर्यातक /उत्पादक	***	***	***	***	0-10

#### एसटीबी के लिए क्षति मार्जिन

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		अम.डा//एमटी	अम.डा//एमटी	अम.डा//एमटी	%	रेंज
चीन						
1	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	***	***	(***)	(***)	(0-10)
2	कोई अन्य	***	***	***	***	0-10

#### झ. गैर-आरोपण विश्लेषण

112. प्राधिकारी ने जांच की कि क्या पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी को, अन्य बातों के साथ-साथ, पाटित आयातों के अलावा किसी भी ज्ञात कारकों की जांच करने की आवश्यकता है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, ताकि इन अन्य कारकों से होने वाली क्षति को सब्सिडी वाले आयातों के लिए जिम्मेदार न ठहराया जा सके। प्राधिकारी ने जांच की कि क्या अन्य ज्ञात सूचीबद्ध कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

#### क) तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य

113. यह देखा जाता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से कोई आयात नहीं हुआ है। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता कि अन्य देशों से आयात से क्षति हो रही है।

#### ख) मांग में संकुचन

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि केटीबी की मांग में कोई कमी नहीं आई है क्योंकि देश में केटीबी की मांग क्षति की अवधि में बढ़ी है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को इस कारण कोई क्षति नहीं हुई है। एसटीबी के लिए, जबकि जांच



अवधि में मांग में गिरावट आई है, घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट अपेक्षाकृत अधिक है। घरेलू उद्योग ने इस बात पर भी जोर दिया है कि यदि आयातों ने क्षति अवधि की शुरुआत में समान बाजार हिस्सेदारी बनाए रखी होती, तो मांग में गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में वास्तव में वृद्धि देखी गई होती। किसी भी मामले में, किसी भी हितवद्ध पक्षकार ने यह तर्क नहीं दिया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी आई है। जांच अवधि के दौरान मांग में गिरावट अस्थायी प्रकृति की हो सकती है, और कुछ समय बाद सामान्य हो सकती है।

#### ग) खपत का पैटर्न

115. विचाराधीन उत्पाद की खपत के पैटर्न में कोई ज्ञात वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसके कारण हुई क्षति को जिम्मेदार ठहराया जा सके।

#### घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें और व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य-पद्धतियां

116. संबद्ध वस्तुओं के आयात पर किसी भी तरह से प्रतिबंध नहीं है और देश में इनका स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। चूंकि घरेलू उद्योग देश में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है, इसलिए घरेलू उत्पादकों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा की कोई संभावना नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो।

#### ड) प्रौद्योगिकी का विकास

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ था, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

#### च) उत्पादकता

118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है।

#### छ) घरेलू उद्योग का निर्यात प्रदर्शन

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऊपर जांच की गई क्षति संबंधी सूचना केवल घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार के संदर्भ में उसके प्रदर्शन से संबंधित है। इस अनुरोध के संबंध में कि निर्यात बिक्री में गिरावट ने घरेलू उद्योग के प्रदर्शन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, यह नोट किया जाता है कि निर्यात बिक्री नगण्य है और घरेलू उद्योग के प्रदर्शन को प्रभावित करती है। इस प्रकार, हुई क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

#### ज) अन्य उत्पादों का प्रदर्शन

120. हुई क्षति को कंपनी के अन्य उत्पादों के प्रदर्शन के कारण नहीं माना जा सकता, क्योंकि घरेलू उद्योग ने अलग से सूचना उपलब्ध कराई है और वह केवल घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तुओं के प्रदर्शन से संबंधित है।

#### ज. कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

121. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाता है। डंप किए गए आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर स्थापित होता है:

**केटीबी के लिए कारणात्मक संबंध**

- i. घरेलू उद्योग ने संबद्ध आयातों के कारण अपना बाजार हिस्सा खो दिया है। संबद्ध आयातों की मात्रा निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में काफी बढ़ गई है।
- ii. संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम है। आयात घरेलू उद्योग की कीमत को कम कर रहे हैं।
- iii. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबा दिया है।
- iv. घरेलू उद्योग को कम कीमत वाले संबद्ध आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर किया गया है और परिणामस्वरूप, क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- v. जांच की अवधि में घरेलू उद्योग को काफी नुकसान हुआ है। जांच की अवधि के दौरान नकद लाभ में गिरावट आई है।
- vi. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपने निवेश पर बहुत कम रिटर्न अर्जित किया है। इससे घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

**एसटीबी के लिए कारणात्मक संबंध**

- i. विषयगत वस्तुओं ने घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है। विषयगत आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- ii. आयात घरेलू उद्योग की कीमत को कम कर रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम कीमत वाली विषयगत वस्तुओं की मांग पैदा हो रही है।
- iii. विषयगत आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबा दिया है। घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्री में गिरावट आई है।
- iv. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई है, क्योंकि जांच अवधि के दौरान उसे काफी नुकसान हुआ है और उसके नकद लाभ में गिरावट आई है।
- v. घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपने निवेश पर नकारात्मक रिटर्न अर्जित किया है।

**ट. घरेलू उद्योग के हित और अन्य मुद्दे****ट.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

122. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. उत्पाद की महत्वपूर्ण प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, भारतीय नौसेना और खनन उद्योग को पूरी तरह से एक ही घरेलू उत्पादक द्वारा आपूर्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

**ट.2 घरेलू उद्योग के विचार**

123. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. केटीबी और केओ2 दोनों का उत्पादन पोटेशियम धातु का उपयोग करके किया जाता है, जिसका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा अपस्ट्रीम उत्पाद के रूप में किया जाता है।

- ख. केओ2 आधारित उत्पाद महत्वपूर्ण रसायन हैं, जिनकी आपूर्ति भारतीय नौसेना, परमाणु रिएक्टरों और खनन उद्योग को की जाती है।
- ग. केओ2 के उत्पादन और आपूर्ति के लिए घरेलू उद्योग के संयंत्रों का निरंतर संचालन आवश्यक है और इसलिए यह भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण है।
- घ. घरेलू उद्योग एक एमएसएमई है और पाटनरोधी शुल्क के माध्यम से समान अवसर प्रदान करना सरकार के विकासात्मक उद्देश्यों के अनुरूप है।
- ङ. घरेलू उद्योग समान वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और पाटित आयातों के कारण होने वाली क्षति से घरेलू उद्योग का उत्पादन प्रचालन अव्यवहार्य हो जाएगा और इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए आयात पर पूरी तरह निर्भरता हो जाएगी।
- च. समान वस्तु के उत्पादन में अत्यधिक परिष्कृत तकनीक का उपयोग किया जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण निवेश होता है, जिससे यह वैश्विक उत्पादकों के बराबर हो जाता है। घरेलू उद्योग के प्रचालन को व्यवहार्य बनाए रखने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है।
- छ. संबद्ध वस्तुओं का उपयोग रासायनिक प्रतिक्रियाओं और सक्रिय फार्मास्यूटिकल्स मध्यवर्ती में उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है और इसका डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं के लिए समग्र लागत पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा।
- ज. प्रयोक्ता उद्योग की भागीदारी की कमी से पता चलता है कि प्रयोक्ताओं पर इसका प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।
- झ. संबद्ध वस्तुओं का लगातार पाटन घरेलू उद्योग को अव्यवहार्य बना देगा और उपभोक्ताओं को विदेशी उत्पादकों की दया पर छोड़ देगा। ऐसी स्थिति में विदेशी उत्पादकों को भारतीय उपभोक्ताओं के नुकसान के लिए कीमतों में फेरबदल करने की अनुमति मिल जाएगी।
- ञ. घरेलू उद्योग ने केवल शुल्क लगाने के माध्यम से राहत मांगी है जो निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करेगी और इसे लाभकारी प्रतिफल अर्जित करने की अनुमति देगी।
- ट. घरेलू उद्योग के पास मांग की संपूर्णता को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है।
- ठ. घरेलू उद्योग के पास मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता होने के आलोक में, आयात पूरी तरह से अनावश्यक हैं और घरेलू क्षमताओं पर निर्भरता से बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और देश के भुगतान खाते के संतुलन में सुधार होगा।
- ड. केटीवी और एसटीवी के लिए कैप्टिव खपत और निर्यात बिक्री को छोड़ देने के बाद भी, घरेलू उद्योग की क्षमता मांग से चार गुना अधिक है।

### ट.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार कार्य-पद्धतियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति स्थापित की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य किसी भी तरह से संबद्ध देशों से आयात को प्रतिबंधित करना नहीं है। प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तरों पर मामूली असर पड़ सकता है। हालांकि, पाटनरोधी उपायों को लगाने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लगाने से घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।
125. प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की ताकि वे वर्तमान जांच के संबंध में संगत जानकारी प्रदान कर सकें, जिसमें उनके प्रचालन पर

पाटनरोधी कोई भी संभावित प्रभाव शामिल है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग और एक निर्यातक/उत्पादक को छोड़कर, किसी अन्य पक्षकार ने जनहित के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

126. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है कि शुल्क लगाने से प्रयोक्ताओं के प्रदर्शन में गिरावट आ सकती है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, आर्थिक हित प्रश्नावली के उत्तर में प्राधिकारी द्वारा तय की गई और प्रमाणित सूचना उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान करने के बावजूद, प्रयोक्ताओं ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लेना पसंद किया है। इसको देखते हुए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि उपायों के लागू होने से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग ने स्पष्ट किया है कि उत्पाद केवल डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं के लिए उत्प्रेरक है, और इसलिए, प्रयोक्ताओं की उत्पादन लागत का महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं बनता है।
127. देश में समान वस्तु की उपलब्धता के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देशों से आयात को प्रतिबंधित नहीं करता है, बल्कि केवल समान अवसर प्रदान करता है। किसी भी मामले में, घरेलू उद्योग के पास भारत में मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
128. यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग भारत में समान वस्तु का एकमात्र उत्पादक है, जो आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घरेलू उद्योग एक एमएसएमई उत्पादक है।
129. केटीबी के अपस्ट्रीम उत्पाद, यानी पोटेशियम धातु का उपयोग केओ2 आधारित उत्पादों के उत्पादन के लिए भी किया जाता है। इन केओ2 आधारित उत्पादों की आपूर्ति भारतीय नौसेना, परमाणु रिएक्टरों और खनन उद्योग को की जाती है। केटीबी संयंत्र में \*\*\*% पोटेशियम धातु का उपयोग किया जाता है, जबकि केओ2 संयंत्र में \*\*\*% का उपयोग किया जाता है। यदि केटीबी संयंत्र अव्यवहार्य हो जाता है, तो अपस्ट्रीम पोटेशियम धातु संयंत्र भी अव्यवहार्य हो जाता है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के संयंत्र संचालन की व्यवहार्यता के लिए खतरा पोटेशियम धातु के उत्पादन के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है और इसके उत्पादन को अलाभकारी बनाने की संभावना है। इसके अलावा, यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग भारतीय नौसेना को महत्वपूर्ण रसायनों का एकमात्र लाइसेंस प्राप्त आपूर्तिकर्ता है। घरेलू उद्योग भारतीय नौसेना, खनन उद्योग और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को महत्वपूर्ण रसायनों की आपूर्ति में महती भूमिका निभाता है। घरेलू उद्योग के बिगड़ते प्रदर्शन से कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों की आपूर्ति संकट में पड़ सकती है।

## ठ. पोस्ट प्रकटीकरण टिप्पणियाँ

### ठ.1 अन्य इच्छुक पक्षों की प्रस्तुतियाँ

130. अन्य इच्छुक पक्षों ने जारी किए गए प्रकटीकरण विवरण पर निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दी हैं:
- सूचना के प्रकटीकरण पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए दिया गया समय अपर्याप्त है।

- ii. केटीबी के संबंध में, जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड को सहयोगी उत्पादक/निर्यातक पाया गया है और उसे शुल्क की एक अलग दर प्रदान की गई है। यदि इस तरह के अवलोकन से कोई और विचलन होता है, तो उस पर टिप्पणी प्रदान करने के लिए आगे के अवसर के साथ एक संशोधित प्रकटीकरण जारी किया जाना चाहिए।
- iii. एसटीबी के संबंध में, जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी के निर्यात मूल्य को व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के लिए माना गया है। यदि इस तरह के अवलोकन से कोई और विचलन होता है, तो उस पर टिप्पणी प्रदान करने के लिए आगे के अवसर के साथ एक संशोधित प्रकटीकरण जारी किया जाना चाहिए।
- iv. जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड के लिए निर्धारित एसटीबी का लैंडेड मूल्य गलत है।
- v. लैंडेड प्राइस में किए गए समायोजन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लैंडेड प्राइस को फिर से निर्धारित किया जा सकता है और टिप्पणी देने का अवसर दिया जा सकता है।
- vi. यदि एसटीबी के लिए उतराई मूल्य का पुनः निर्धारण नहीं किया जाता है, तो उतराई मूल्य के निर्धारण के लिए प्रासंगिक कानूनी आधार, कार्यप्रणाली, मात्रा, औचित्य का खुलासा किया जाना चाहिए, ताकि निर्यातक को उस पर टिप्पणी करने की अनुमति मिल सके।
- vii. निर्यात दस्तावेज जैसे कि प्रवेश बिल, वाणिज्यिक और वैट चालान और उतराई मूल्य और निर्यात मूल्य के सत्यापन के लिए अन्य दस्तावेज, प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद मांगे गए हैं, खासकर तब जब डेस्क सत्यापन [नवंबर 2024] में पूरा हो गया था।
- viii. प्राधिकरण द्वारा दिए गए लेन-देन-वार डीजी प्रणाली आंकड़ों के प्रत्युत्तर में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात सूचना और दस्तावेजों के समाधान का ब्यौरा प्रकट नहीं किया गया है।
- ix. एडी नियमों के नियम 16 के अनुसार, प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद कोई भी जानकारी नहीं मांगी जा सकती है। अंतिम निष्कर्षों में प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद मांगी गई जानकारी पर भरोसा करना अवैध है और नियम 16 के विपरीत है।
- x. निर्यात संबंधी दस्तावेजों के लिए अनुरोध दोहरावपूर्ण है, क्योंकि दावा किए गए समायोजनों के लिए सभी सहायक दस्तावेज सत्यापन चरण में प्रस्तुत किए गए थे।
- xi. किसी निर्यातक से प्रवेश पत्र (बिल ऑफ एंट्री) जो कि आयातक द्वारा दाखिल किया जाने वाला एक दस्तावेज है, के लिए अनुरोध करना उचित नहीं है।
- xii. मांगी गई नई सूचना जांच के अंतिम महीने में मांगी गई है, और प्राधिकरण के पास वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करने तथा स्पष्टीकरण मांगने के लिए पर्याप्त समय नहीं होगा।
- xiii. प्रकटीकरण जारी करने के बाद पर्याप्त जानकारी उपलब्ध न कराने के लिए निर्यातक के विरुद्ध प्रतिकूल तथ्य लागू नहीं किए जाने चाहिए। नियम 6(8) के अनुसार उचित समय में आवश्यक जानकारी उपलब्ध न कराने पर ही प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जा सकता है तथा वर्तमान मामले में मांगी गई जानकारी आवश्यक नहीं है तथा उसे उपलब्ध कराने के लिए उचित समय नहीं दिया गया।

- xiv. निर्यातक ने सूचना के अनुरोध का पूर्णतः अनुपालन किया है और यदि प्रकटीकरण विवरण के आवश्यक तथ्यों में परिवर्तन की आवश्यकता है, तो संशोधित प्रकटीकरण जारी किया जाना चाहिए।
- xv. ऐसा प्रतीत होता है कि विषयगत वस्तुओं के लिए निर्धारित मूल्य कटौती क्षति मार्जिन से अधिक है। इसका तात्पर्य यह है कि घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य उसके उचित विक्रय मूल्य से अधिक है। इसे देखते हुए, यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति विषयगत आयातों के कारण है।
- xvi. घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए घाटे के दावों को इस आधार पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए कि उसका वास्तविक विक्रय मूल्य उसके उचित विक्रय मूल्य से अधिक है।
- xvii. एसटीबी के संबंध में, सहयोगी उत्पादक निर्यातक और अन्य सभी के लिए निर्धारित क्षति मार्जिन एक ही सीमा में है। प्राधिकरण की सुसंगत प्रथा के अनुसार, एसटीबी के अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उच्चतर क्षति मार्जिन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

## ठ.2 घरेलू उद्योग की प्रस्तुतियाँ

131. घरेलू उद्योग ने जारी प्रकटीकरण विवरण पर निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दी हैं:
  - i. सामान्य मूल्य का निर्माण किसी अन्य उचित आधार पर नहीं किया जा सकता है, केवल इस बात पर विचार करने के बाद कि नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 के तहत प्रदान की गई अन्य पद्धतियाँ व्यवहार्य नहीं हैं।
  - ii. आवेदक ने भारत से यूरोपीय संघ को निर्यात मूल्य के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मूल्य के संबंध में जानकारी प्रदान की है और नियमों के तहत प्रदान की गई कार्यप्रणाली में निहित पूर्वता को ध्यान में रखते हुए उस पर विचार किया जाना चाहिए।
  - iii. चीन से 3% से कम जल अवशोषण के साथ पॉलिश या अनपॉलिश फिनिश में ग्लेज्ड / अनग्लेज्ड पोर्सिलेन / विट्रिफाइड टाइल्स की पिछली जांच में [एफएन 7/39/2020-डीजीटीआर], प्राधिकरण ने सामान्य मूल्य के लिए भारत से यूएसए को निर्यात मूल्य पर विचार किया है।
  - iv. यूरोपीय संघ केटीबी के भारतीय निर्यात के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और एसटीबी के भारतीय निर्यात के लिए सबसे बड़ा बाजार है। इस बात पर विवाद नहीं किया गया है कि यूरोपीय संघ में विषयगत वस्तुओं का कोई घरेलू उत्पादन नहीं है। यह निर्यात प्रक्रिया को यूरोपीय संघ में प्रचलित कीमतों के अनुसार बनाता है, जो चीन के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपयुक्त है।
  - v. भारत से जापान को निर्यात मूल्य यूरोपीय संघ को निर्यात मूल्य से अधिक है।
  - vi. केटीबी के लिए उपयोग किए जाने वाले कैप्टिव इनपुट की लागत को कच्चे माल की न्यूनतम लागत और उच्चतम उपयोग स्तर के आधार पर अनुकूलित किया गया है, ताकि गैर-हानिकारक मूल्य का निर्धारण किया जा सके। यह पिछली प्रथा और नियमों के अनुलग्नक-III के साथ असंगत है।
  - vii. कैप्टिव इनपुट्स की उत्पादन लागत का अनुकूलन, प्राधिकरण द्वारा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दायर हलफनामे में अपनाई गई स्थिति के साथ भी असंगत है, जिसमें प्राधिकरण ने कहा था कि

- कैप्टिव इनपुट्स का मूल्यांकन आवश्यक जांच और समाधान के बाद लेखा पुस्तकों के अनुसार उनकी उत्पादन लागत पर किया जाना चाहिए।
- viii. यूरोपीय संघ, कोरिया आरपी, चीन पीआर और ताइवान से उत्पन्न या निर्यातित पोटेशियम कार्बोनेट की पिछली जांच [सं.15/12/2014-डीजीएडी] से पता चलता है कि गैर-हानिकारक मूल्य रिकॉर्ड/लेखा पुस्तकों के अनुसार उत्पादन की लागत के आधार पर निर्धारित किया जाएगा, जब ऐसे रिकॉर्ड सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार हों।
- ix. सीईएसटीएटी ने रूस से पॉली टेट्रा फ्लोरो एथिलीन या पीटीएफई के आयात की डंपिंग रोधी जांच में मामले को वापस ले लिया था , जिसमें प्राधिकरण ने उत्पादन लागत और प्रतिफल के अनुसार गैर-हानिकारक मूल्य का पुनः निर्धारण किया था, जो पहले उत्पाद शुल्क रिकॉर्ड के अनुसार लागत प्लस 110% के आधार पर निर्धारित किया गया था।
- x. गैर-हानिकारक मूल्य के निर्धारण के लिए बिक्री और वितरण ओवरहेड व्यय का पूर्ण बहिष्कार अनुलग्नक-III और संचालन प्रथाओं के मैनुअल के विपरीत है। वास्तव में, अनुलग्नक-III में सामान्य बिक्री व्यय के विभाजन की आवश्यकता होती है। अधिक से अधिक, कानून में कमीशन, छूट और माल दुलाई जैसे एक्स-फैक्ट्री स्तर से परे, निकासी के बाद बिक्री व्यय को बाहर करने का प्रावधान है।
- xi. अंबरनाथ ] तक कैप्टिव इनपुट के हस्तांतरण के कारण होने वाला भाड़ा, सामग्री लागत पर लागत लेखांकन मानक 6 के अनुसार कच्चे माल की लागत का एक हिस्सा बनता है। इस तरह के भाड़े को गैर-क्षति मूल्य में शामिल किया जाना चाहिए।
- xii. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग के गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य का पुनः निर्धारण किया जाना चाहिए ताकि उद्योग को प्रभावी उपचार मिल सके।
- xiii. अनुच्छेद 70, 98 और 103 के अंतर्गत आर्थिक मापदंडों की जांच के लिए विचार की गई जानकारी को स्पष्ट किया जाना चाहिए।
- xiv. कुल मांग में आयात के हिस्से से संबंधित जानकारी गोपनीय रखी जानी चाहिए।
- xv. जारी किए गए प्रकटीकरण में डंपिंग और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्णायक रूप से उल्लेख नहीं किया गया है। कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारकों को प्राधिकरण के अंतिम निष्कर्षों में शामिल किया जाना चाहिए।
- xvi. एंटी-डंपिंग शुल्क सार्वजनिक हित के विरुद्ध नहीं होंगे। दूसरी ओर, शुल्कों की अनुपस्थिति एकमात्र घरेलू उत्पादक को अव्यवहारिक बना देगी और उपभोक्ताओं को विदेशी उत्पादकों की दया पर छोड़ देगी जो उपभोक्ताओं के नुकसान के लिए भारतीय बाजार पर हावी हो जाएंगे और एकाधिकार कर लेंगे। ऐसी स्थिति चीन पीआर (एफ. सं. 06/53/2020-डीजीटीआर) से एन, एन'- डाइसाइक्लोहेक्सिल कार्बोडिमाइड ("डीसीसी") के आयात में एंटी-डंपिंग जांच में देखी गई थी और यदि शुल्क नहीं लगाया जाता है, तो वर्तमान मामले में भी ऐसा ही हो सकता है।

- xvii. चूंकि अपस्ट्रीम उत्पाद विषयगत वस्तुओं पर निर्भर है और इसका उपयोग रक्षा, परमाणु ऊर्जा और खनन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जाता है, इसलिए विदेशी पक्षों द्वारा एकाधिकार राष्ट्रीय हितों के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा।
- xviii. निर्यात बिक्री, बंदी उपभोग और गैर-संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को छोड़ देने के बाद भी, घरेलू उद्योग की क्षमता मांग से चार गुना अधिक है।
- xix. शुल्क लगाने से देश के भुगतान संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

### ठ.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

132. प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणी प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि एंटी-डॉपिंग जांच समयबद्ध प्रकृति की होती है और जांच के विभिन्न चरणों में इच्छुक पक्षों को पर्याप्त समय प्रदान किया गया है। चूंकि प्रकटीकरण विवरण का उद्देश्य केवल जांच के दौरान एकत्रित किए गए आवश्यक तथ्यों की जानकारी देना है, न कि नई जानकारी या कानूनी प्रस्तुतियाँ प्राप्त करना, इसलिए प्रदान किया गया समय उचित माना जाता है।
133. प्राधिकरण ने प्रस्तुत सूचना के आधार पर जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड (जिसे व्यक्तिगत मार्जिन दिया गया है) द्वारा दिए गए उत्तर की जांच की है।
134. जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड के लिए विचारित एसटीबी की लैंडेड कीमत निर्यातक द्वारा दायर प्रतिक्रिया पर आधारित है। लैंडेड कीमत के संबंध में निर्यातक द्वारा उठाई गई टिप्पणियों का समाधान कर दिया गया है और प्रासंगिक कानून के अनुसार लैंडेड कीमत का पुनः निर्धारण किया गया है।
135. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच के हित में, प्राधिकारी प्रस्तुत की गई सूचना की सटीकता की जांच के लिए प्रासंगिक जानकारी मांग सकते हैं। निर्यातक से मांगे गए निर्यात दस्तावेजों ने उस सूचना के सत्यापन की अनुमति दी है जिसके आधार पर जेनकेम एंड जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड को एक व्यक्तिगत मार्जिन दिया गया है।
136. यह पाया गया है कि सहकारी और गैर-सहकारी उत्पादकों दोनों से आयातित आयातों को डंप किया गया है और कुछ आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस प्रकार, मूल्य कटौती के संबंध में प्रस्तुत किए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका समाधान किया गया है।
137. एसटीबी के अन्य सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए उच्च क्षति मार्जिन के अनुरोध के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि अन्य सभी के लिए क्षति मार्जिन नियमों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। रिकॉर्ड पर उपलब्ध कराई गई किसी भी नई जानकारी के अभाव में अन्य सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन को संशोधित नहीं किया जा सकता है। एकमात्र तथ्य यह है कि एसटीबी के अन्य सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन प्रतिवादी निर्यातक के क्षति मार्जिन के समान सीमा में दिखाई देता है, अन्य सभी क्षति मार्जिन को संशोधित करने का आधार नहीं हो सकता है।



138. प्राधिकरण का मानना है कि चीन के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सभी प्रासंगिक मापदंडों पर विचार किया गया है। प्रासंगिक अनुभाग में पहले से दर्ज कारणों से, प्राधिकारी भारत से यूरोप को निर्यात मूल्य को यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य के प्रतिनिधि के रूप में निर्धारित करना अनुचित मानते हैं।
139. जहां तक कैप्टिव इनपुट के मूल्यांकन का संबंध है, प्राधिकरण का मानना है कि अनुबंध-III के अनुसार प्राधिकरण को कैप्टिव इनपुट के लिए अनुकूलित लागत पर विचार करना होगा, यदि ऐसे कैप्टिव इनपुट का मूल्यांकन पुस्तकों में लागत के आधार पर किया गया हो।
140. जहां तक कुछ विक्रय एवं वितरण व्ययों को बाहर रखने का संबंध है, प्राधिकरण का मानना है कि अनुबंध-III में उन व्ययों को बाहर रखने की आवश्यकता है जो विनिर्माण के बाद तथा कारखाना-बाहर स्तर पर हैं।
141. जांचे गए आर्थिक मापदंडों के संबंध में मांगे गए स्पष्टीकरण के संबंध में, उपरोक्त क्षति मूल्यांकन स्वतः ही उठाई गई चिंताओं का समाधान करता है।
142. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर की गई है और इससे डंपिंग और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।
143. प्राधिकरण ने कहा है कि शुल्क सार्वजनिक हित में हैं और शुल्क लगाने से उपयोगकर्ताओं के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आएगी। इस संबंध में सभी प्रासंगिक प्रस्तुतियों पर विचार किया गया है।

### ड. निष्कर्ष और सिफारिशें

144. हितवद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के पश्चात; तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात, प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं।
- प्राधिकारी का मानना है कि आवेदक ने विधिवत प्रमाणित आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसके आधार पर वर्तमान जांच शुरू की गई है। प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों/सूचना के आधार पर शुरू की गई थी और प्रथम दृष्टया यह संतुष्टि होती है कि डंपिंग, क्षति और कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। इसके अलावा, जांच शुरू होने के बाद, आवेदक से आवश्यक समझी गई सीमा तक जानकारी मांगी गई और आवेदक द्वारा वही जानकारी प्रदान की गई।
  - विचाराधीन उत्पाद चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से पोटेथियम टर्शियरी ब्यूटॉक्साइड (केटीबी) और चीन से सोडियम टर्शियरी ब्यूटॉक्साइड है।

- iii. केटीबी एक रासायनिक यौगिक है जिसे पोटेशियम-टी-ब्यूटोक्साइड, पोटेशियम तृतीयक ब्यूटिलेट या पोटेशियम-टी-ब्यूटिलेट भी कहा जाता है, जिसका उपयोग डिप्रोटोनेशन प्रतिक्रियाओं में मध्यवर्ती के रूप में किया जाता है और यह सक्रिय फार्मास्यूटिकल मध्यवर्ती (एपीआई) में पाया जाता है।
- iv. एसटीबी को सोडियम-टी-ब्यूटोक्साइड, सोडियम तृतीयक ब्यूटिलेट या सोडियम-टी-ब्यूटिलेट के रूप में जाना जाता है, जिसका उपयोग डिप्रोटोनेशन, कंडेनसेशन, बेस कैटेलाइज्ड, रीअरेंजमेंट और रिंग-ओपनिंग जैसी प्रतिक्रियाओं में मध्यवर्ती के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग कृषि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, रंग, सुगंध रसायन, पॉलिमर, डिटर्जेंट और बायोडीजल में किया जाता है।
- v. प्राधिकरण ने वर्तमान जांच में पीसीएन पद्धति को नहीं अपनाया है, क्योंकि एसटीबी और केटीबी दोनों का उत्पादन और बिक्री केवल एक ही रूप में की जाती है।
- vi. चूंकि चीन के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के लिए अनुरोध दायर नहीं किया, इसलिए चीनी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था में परिचालन करने वाला माना गया है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग द्वारा दी गई जानकारी उचित नहीं पाई गई। इसके आधार पर, चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित आधार पर किया गया है, जो उचित समायोजन के साथ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर आधारित है और उचित लाभ को शामिल करने के बाद है।
- vii. सहकारी उत्पादक/निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत, ऐसी पार्टी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर, ऐसी सूचना के उचित सत्यापन के बाद निर्धारित की गई है।
- viii. निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, विषयगत देशों से विषयगत वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक है तथा *न्यूनतम से अधिक है।*
- ix. केटीबी के डंप किए गए आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, जैसा कि निम्नलिखित संक्षेपित कारकों से स्पष्ट है:
  - क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई।
  - ख. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में, निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
  - ग. गैर-विषयक देशों से कोई आयात नहीं किया गया है।
  - घ. उत्पाद के आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। इसके अलावा, डंप किए गए आयातों का असर बाजार में कीमतों में गिरावट के रूप में सामने आया है। घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं है।
  - ङ. डंप किए गए आयातों के कारण उत्पादन क्षमता का बहुत कम उपयोग हुआ है, घरेलू उद्योग को बाजार हिस्सेदारी का नुकसान हुआ है। मुनाफे, नकद मुनाफे और निवेश पर रिटर्न के मामले में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन खराब हुआ है। जांच अवधि में घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा, नकद घाटा और निवेश पर नकारात्मक रिटर्न का सामना करना पड़ा है।
  - च. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से डंप किए गए माल के परिणामस्वरूप क्षति हुई है।

- छ. क्षति मार्जिन सकारात्मक है और न्यूनतम से ऊपर है।
- ज. किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
- झ. डंप किए गए आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है।
- x. एसटीबी के डंप किए गए आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, जैसा कि निम्नलिखित संक्षेपित कारकों से स्पष्ट है:
- क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई।
- ख. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में, निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- ग. गैर-विषयक देशों से कोई आयात नहीं किया गया है।
- घ. उत्पाद के आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। इसके अलावा, डंप किए गए आयातों का असर बाजार में कीमतों में गिरावट के रूप में सामने आया है। घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं है।
- ङ. डंप किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सेदारी, लाभ, नकदी प्रवाह, निवेश पर रिटर्न और वृद्धि जैसे मापदंडों के संबंध में प्रदर्शन में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान, नकदी घाटा और निवेश पर नकारात्मक रिटर्न का सामना करना पड़ा है।
- च. घरेलू उद्योग को विषयगत देश से डंप किए गए माल के परिणामस्वरूप क्षति हुई है।
- छ. डंपिंग मार्जिन सकारात्मक है तथा न्यूनतम से ऊपर है, तथा क्षति मार्जिन भी सकारात्मक है।
- ज. किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
- झ. डंप किए गए आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है।
- xi. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना जनहित में है। यह निम्नलिखित से स्पष्ट है:
- क. विषयगत वस्तुओं का उपयोग उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है तथा ये उपयोगकर्ताओं की उत्पादन लागत का महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं हैं।
- ख. ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जो यह दर्शाए कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से उपयोगकर्ताओं के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- ग. घरेलू उद्योग में सम्पूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने की क्षमता है।
- घ. शुल्क लगाने से उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- ङ. घरेलू उद्योग एकमात्र उत्पादक और एक एमएसएमई इकाई है।
- च. घरेलू उद्योग के संयंत्र प्रचालन की व्यवहार्यता, पोटेशियम धातु के उत्पादन को प्रभावित करती है, जो नौसेना, खनन उद्योग और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को आपूर्ति किये जाने वाले KO<sub>2</sub> आधारित उत्पादों के लिए एक इनपुट है।

- छ. शुल्क न लगाए जाने से घरेलू उद्योग के लिए अलाभकारी स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे विदेशी उत्पादकों के लिए बाजार पर एकाधिकार स्थापित हो सकता है। यह उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक है।
- ज. शुल्क लगाने से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि होगी।

145. प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच शुरू की गई थी और सभी इच्छुक पक्षों को सूचित किया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पक्षों को डंपिंग, क्षति कारण संबंध के पहलू पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। डंपिंग, क्षति और कारण संबंध की जांच शुरू करने और एंटी-डंपिंग नियमों के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार करने के बाद, प्राधिकारी का मानना है कि विषयगत वस्तुओं पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जाना आवश्यक है। इसलिए, प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और विषयगत देशों से विषयगत वस्तुओं के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

146. प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण डंपिंग मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम के बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकरण चीन पीआर और संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए गए केटीबी के आयात और चीन पीआर से एसटीबी के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, जो इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए नीचे संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर है।

### शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	धनराशि	मापने की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29051490, 29051990 और 29054900	पोटेशियम टर्शरी ब्यूटॉक्साइड (केटीबी)	चीन जन. गण	चीन जन. गण सहित कोई भी देश	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	929	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
2	-वही-	-वही-	चीन जन. गण	चीन जन. गण सहित कोई भी देश	उपरोक्त क्रम संख्या 1 में उल्लिखित उत्पादक के अलावा कोई अन्य उत्पादक	1,710	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर

3	-वही-	-वही-	चीन जन. गण एवं यूएसए के अलावा कोई भी अन्य देश	चीन जन. गण	कोई	1,710	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
4	-वही-	-वही-	यूएसए	यूएसए सहित कोई भी देश	कोई	984	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
5	-वही-	-वही-	चीन जन. गण एवं यूएसए के अलावा कोई भी अन्य देश	यूएसए	कोई	984	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
6	29051490, 29051990 और 29054900	सोडियम टर्शरीब्यूटॉक्साइड (एसटीबी)	चीन जन. गण	चीन जन. गण सहित कोई भी देश	जेनकेम और जेनफार्म (चांगझोउ) कंपनी लिमिटेड	NIL	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
7	-वही-	-वही-	चीन जन. गण	चीन जन. गण सहित कोई भी देश	उपरोक्त क्रम संख्या 6 में उल्लिखित उत्पादक के अलावा कोई अन्य उत्पादक	304	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर
8	-वही-	-वही-	चीन जन. गण के अलावा कोई अन्य देश पी.आर.	चीन जन. गण	कोई	304	मीट्रिक टन	यूएस डॉलर

#### ढ. आगे की प्रक्रिया

147. इन अंतिम निष्कर्षों में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्धारण के विरुद्ध अपील सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

दर्पण जैन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)**

**FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 25<sup>th</sup> March, 2025

**CASE NO- AD (OI)-10/2024**

**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Potassium Tertiary Butoxide (KTB) from China PR and United States of America; and imports of Sodium Tertiary Butoxide (STB) from China PR.**

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. **F. No. 6/11/2024-DGTR.**—Whereas, Suparna Chemicals Limited (hereinafter also referred to as the “applicant”) filed an application before the Authority in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Act’) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Anti-Dumping Rules’ or the ‘Rules’) for the initiation of an anti-dumping investigation concerning imports of Potassium Tertiary Butoxide (hereinafter also referred to as “KTB” or “subject goods” or “product under consideration”) from China PR and United States of America (hereinafter referred to as the “subject countries”); and imports of Sodium Tertiary Butoxide (hereinafter referred to as “STB” or “subject goods” or “product under consideration”) from China PR from (hereinafter also referred to as the “subject country”).
2. And whereas, based on a duly substantiated application with *prima facie* evidence of the dumping and injury due to imports from subject countries filed by the domestic industry, the Authority issued a public notice vide Notification No. 6/11/2024-DGTR dated 28<sup>th</sup> March 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country/countries and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

**B. PROCEDURE**

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - a. The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of the application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the Anti-Dumping Rules.
  - b. The Authority issued a public notice vide Notification No. 6/11/2024-DGTR dated 28<sup>th</sup> March 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.

- c. The Authority sent a copy of the initiation notification to the governments of the subject countries, through their embassies in India, known producers and exporters from the subject countries, known importers / users as well as other interested parties, as per the addresses made available by the applicant and requested them to furnish their views in writing within the prescribed time limit.
- d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Governments of the subject countries, through their embassies in India, in accordance with Rule 6(3) of the Anti-Dumping Rules. A copy of the non-confidential version of the application was circulated to other interested parties.
- e. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the investigation along with Exporter's Questionnaire to the following known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

Producers/exporters of KTB -

- i. Ascensus Specialties LLC (USA)
- ii. GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. (China PR)

Producers/exporters of STB –

- i. Sinolite Industrial Co Ltd.
- ii. GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.
- iii. Shandong Seesuns (Formerly XISACE) New Material technology Co. Ltd.
- iv. Shandong Ruinat Chemical Co Ltd

- f. The embassies of the subject countries in India were requested to advise the exporters/producers to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.
- g. GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd, a producer/exporter from China PR, has responded by filing exporter's questionnaire response.
- h. The Authority sent questionnaire to the following known importers / users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.

Users/importers of KTB -

- i. Agrisol
- ii. Arshiya Limited
- iii. IOL Chemicals
- iv. Innovare
- v. K. Raj & Co / Tolani Chemicals
- vi. Kekule Pharma
- vii. Biocon
- viii. Hasmukhray & Co.
- ix. Optimus Drugs
- x. Avra Lab
- xi. Bharat Jyoti Impex
- xii. Sanjay Chemicals
- xiii. Lupin Pharmaceuticals

Users/importers of STB –

- i. Atul Limited
- ii. Sanjay Chemicals
- iii. Neuland Lab

- iv. Syrochem
  - v. Thermo Fischer
  - vi. Punjab Chemicals
  - vii. Meghmani Organics Limited
  - viii. Rallis India Limited
  - ix. Glenfin Chem
  - x. Hindy Lab
- i. A copy of the initiation notification and non-confidential version of the application was sent to the following associations
- i. FICCI
  - ii. CII
  - iii. ASSOCHAM
  - iv. Pharmaceuticals Export Promotion Council of India
- j. None of the importers/users have responded by filing questionnaire response in response to the initiation of the subject investigation.
- k. A copy of the initiation notification and non-confidential version of the application along with a copy of the economic interest questionnaire was sent to the Department of Chemical & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, on 04.04.2024. However, the Authority has not received any comments
- l. The Authority issued an Economic Interest Questionnaire to the Embassies of the subject countries, all the known exporters, importers and the domestic industry. The response to the Economic Interest Questionnaire has been filed only by the applicant and GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. (“GenChem & GenPharm”).
- m. The Authority invited views from the interested parties regarding the PCN methodology proposed by the domestic industry. All the interested parties were requested to make their views known in writing within the time limit prescribed. Based on the comments received from the other interested parties, the Authority notified that no PCN methodology was required, and decided to proceed without PCNs which was notified vide letter dated 29<sup>th</sup> April 2024.
- n. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> October 2022 to 30<sup>th</sup> September 2023 (12 months). The injury period will cover the periods 1<sup>st</sup> April 2020 to 31<sup>st</sup> March 2021, 1<sup>st</sup> April 2021 to 31<sup>st</sup> March 2022, 1<sup>st</sup> April 2022 to 31<sup>st</sup> March 2023 and the period of investigation.
- o. The Authority has made available the non-confidential version of the submissions made by interested parties. A list of all interested parties was uploaded on the DGTR’s website, along with a request for all the parties to email the non-confidential version of their submissions to each of the interested parties.
- p. A request was made to the DGCI&S to provide transaction-wise data of imports of the subject goods for the injury period including the period of investigation (POI), which was received by the Authority. The Authority has relied upon DGCI&S data for the required analysis after due examination of the transactions.
- q. The non-injurious price (NIP) has been determined based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India as per information furnished by the domestic industry and in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules. Such non-injurious price has been considered to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.



- r. The verification of the data provided by the other interested parties and the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the present investigation. The Authority has considered the verified data of the interested parties in its analysis of the present case.
- s. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, in this final findings.
- t. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided an opportunity for the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 3<sup>rd</sup> October 2024. The parties presented their views in the oral hearing and were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- u. The Authority, during the course of the investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties, which forms the basis of this final findings, to the extent possible and verified the data / documents submitted by the domestic industry to the extent considered relevant, practicable and necessary.
- v. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- w. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- x. A disclosure Statement containing the essential facts of the investigation which have formed the basis of the final findings was issued to the interested parties on 11th March, 2025 and the interested parties were allowed time up to 17th March, 2025 to file comment on the same. The comments to statement received the interested parties have considered, to the extent found relevant and non-repetitive, in this final finding notification.
- y. ‘\*\*\*’ in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- z. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs. 83.21

### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as under:

*“3. The products under consideration are "potassium tertiary butoxide" and "sodium tertiary butoxide". They are defined as under:*

*4. Potassium tertiary butoxide or KTB is a chemical compound used as a non-nucleophilic and strong alkoxide base in organic chemistry. It is also known as potassium-t-butoxide, potassium tertiary butylate or potassium-t-butylate and its chemical formula is C<sub>4</sub>H<sub>9</sub>KO. It is produced in the form of powder and / or solution. However, the present investigation concerns in KTB in powder form only. KTB is used in deprotonation reactions, organic synthesis, elimination reaction, condensation reactions, dehalogenation reactions and it is also used in active pharmaceutical intermediates (API).*

*5. Sodium tertiary butoxide or STB is a chemical compound used as a non-nucleophilic and strong base in organic chemistry. It is also known as sodium-t-butoxide, sodium tertiary*

*butylate or sodium-t-butylate and its chemical formula is  $C_4H_9NaO$ . It is produced in the form of powder and / or solution. However, the present investigation concerns in STB in powder form only. STB is used in various reactions like deprotonation, condensation, base catalysed, rearrangement and ring-opening, and is also used in agrochemicals, pharmaceuticals, colorants, aroma chemicals, polymers, detergents and biodiesel.*

*6. The subject goods are classified under Chapter 29 of Schedule I to the Customs Tariff Act, under the tariff codes 29051490, 29051990 and 29054900. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the product under consideration.”*

**C.1. Submissions of other interested parties**

5. The other interested parties submitted that there is no need for a PCN-wise analysis for the present investigation.

**C.2. Submissions of the domestic industry**

6. The submissions of the domestic industry with regards to product under consideration and like article are as follows:
- There are no differences in the product under consideration produced by the domestic industry and the imported product.
  - The product under consideration is not produced or traded in different grades or specifications and does not require determination of PCN for fair comparison.

**C.3. Examination by the Authority**

7. The product under consideration is defined as follows:

*“3. The products under consideration are "potassium tertiary butoxide" and "sodium tertiary butoxide". They are defined as under:*

*4. Potassium tertiary butoxide or KTB is a chemical compound used as a non-nucleophilic and strong alkoxide base in organic chemistry. It is also known as potassium-t-butoxide, potassium tertiary butylate or potassium-t-butylate and its chemical formula is  $C_4H_9KO$ . It is produced in the form of powder and / or solution. However, the present investigation concerns in KTB in powder form only. KTB is used in deprotonation reactions, organic synthesis, elimination reaction, condensation reactions, dehalogenation reactions and it is also used in active pharmaceutical intermediates (API).*

*5. Sodium tertiary butoxide or STB is a chemical compound used as a non-nucleophilic and strong base in organic chemistry. It is also known as sodium-t-butoxide, sodium tertiary butylate or sodium-t-butylate and its chemical formula is  $C_4H_9NaO$ . It is produced in the form of powder and / or solution. However, the present investigation concerns in STB in powder form only. STB is used in various reactions like deprotonation, condensation, base catalysed, rearrangement and ring-opening, and is also used in agrochemicals, pharmaceuticals, colorants, aroma chemicals, polymers, detergents and biodiesel.*

*6. The subject goods are classified under Chapter 29 of Schedule I to the Customs Tariff Act, under the tariff codes 2905 1490, 2905 1990 and 2905 4900. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the product under consideration”*

8. The subject goods are classified under Chapter 29 of Schedule I to the Customs Tariff Act, under the tariff codes 29051490, 29051990 and 29054900. Accordingly, the Authority has considered the

above-mentioned tariff codes for the purpose of the present investigation. The customs classification is indicative only and is not binding on the scope of product under consideration.

9. No interested parties have made any submissions with regard the scope of product under consideration. Accordingly, the Authority has considered the same scope of the product under consideration, as defined in the notice of initiation. Further, the interested parties agreed that there was no need for adoption of a PCN methodology, and accordingly, the Authority has not considered a PCN methodology in the present investigation.
10. On the basis of the information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject countries. The Authority notes that the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The other interested parties have also not disputed that the goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods. In view of the same, the Authority noted that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from the subject countries.

## **D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

### **D.1. Views of other interested parties**

11. No submissions have been made by the other interested parties with regard scope of the domestic industry & standing.

### **D.2. Views of the domestic industry**

12. Following submissions have been made by the applicant with regard to the domestic industry and standing:
  - a. There are no other major producers of KTB and STB in India.
  - b. The applicant is the largest producer of the subject goods. There are other producers in India which have intermittently produced the subject goods in negligible quantities.
  - c. The producer is a small enterprise as defined under the Notification S.O. 1702(E), dated 1<sup>st</sup> June 2020 and belongs to MSME sector.
  - d. The applicant has imported the subject goods from China and Japan on sample basis for testing purposes. In view of the low volume of imports, the applicant should be treated as eligible to constitute domestic industry.
  - e. The applicant is not related to any to any exporter of the subject goods in the subject countries or importers of the dumped articles in India.

### **D.3. Examination by the Authority**

13. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:

*“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective*

*output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers”.*

14. The application has been filed by Suparna Chemicals Limited, which is effectively the sole producer of the like article in India. The applicant has highlighted that there are two other producers of the subject goods, Mahidhara Chemicals Private Limited and Nasense Labs Private Limited. However, these producers have only produced the subject goods intermittently, in negligible quantities of \*\*\* to \*\*\* MT per annum.
15. The applicant has imported minimal quantities of STB from subject and non-subject countries, on sample basis for purposes of testing. During the period of investigation, the applicant has imported \*\*\* kilogram of STB from China and \*\*\* kilograms of STB from Japan. It is noted that the volume of imports from China is negligible in relation to the subject imports, production of the applicant, sales of the applicant and demand in India.
16. It is further noted that the applicant is not related to any exporter or importer of subject goods in India. Since the quantity of imports by the applicant is negligible, the Authority finds that it is eligible to constitute domestic industry under the provisions of Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules.
17. It is noted that the applicant is the major producer of like article in India and accounts for a major proportion in Indian production. The Authority, therefore, holds that the applicant producer constitutes domestic industry under Rule 2(b) of the Rules, and the application satisfies the requirements of Rule 5(3) of the Rules.

## **E. CONFIDENTIALITY**

### **E.1. Views of other interested parties**

18. No submissions have been made by the other interested parties with regards to confidentiality.

### **E.2. Views of domestic industry**

19. No submissions have been made by the applicant with regards to confidentiality.

### **E.3. Examination by the Authority**

20. The Authority made available the non-confidential version of the information provided by various parties to all the other interested parties as per Rule 6(7) of the Rules.
21. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provide as follows:

*“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing*

*such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."*

22. The information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to sufficiency of such claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on a confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential versions of the information.
23. It is noted that the interested party have not made any submissions regarding the claims of confidentiality made by the applicant. The applicant has not made any comments on the claims of confidentiality claims made by other interested parties. The Authority has made available the non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection.

## **F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

### **F.1. Views of other interested parties**

24. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to the normal value, export price and dumping margin: -
  - a. GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. has cooperated and given complete value chain information, and individual duty should be determined for it.
  - b. The average import price of STB does not reflect the export prices of the cooperative exporters, and may be low on account of imports from non-cooperative exporters.
  - c. Export price from India to European Union cannot be considered as basis for calculation of normal value. European Union is not an appropriate surrogate country having regard to difference in economic development, as evident from stark difference in GDP per capita, and absence of domestic production in European Union.
  - d. The law allows for consideration of price prevailing in market economy third country, which must be domestic selling price in that country and not the import prices into such country. Price of exports from India to third country were rejected as basis for normal value in the case of Glycine.

### **F.2. Views of the domestic industry**

25. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to the normal value, export price and dumping margin:
  - a. China PR should be treated as a non-market economy in accordance with Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol and the normal value should be determined in terms of Annexure I, Rule 7 of the Rules.
  - b. European Union should be considered as a surrogate country for the purpose of the present investigation for the calculation of normal value.
  - c. For the purpose of calculation of normal value, price of exports of like article from India to European Union have been considered as the same depict the prevailing prices in European Union.

- d. Since prices in a market economy third country is available, the normal value must be calculated based on export prices of like article from India as the same follows the inherent precedence in the methodology given under the Para 7 of Annexure – I of the Rules.
- e. The Hon'ble Supreme Court in the case of Shenyang Mastushita S. Battery Co. Ltd vs Exide Industries Ltd & Others (Appeal (Civil) 6371/2023) also noted that the construction of normal value on a reasonable basis must only be relied upon wherein other methodologies for calculation of normal value cannot be taken.
- f. European Union is an appropriate market economy third country for the present investigation as it is the largest market for STB and the second largest market for KTB, following only Japan. The price of exports to Japan is higher than that in the European Union.
- g. Consumption of the product is a key factor showing comparability of prices and European Union serving as the largest market makes its prices appropriate for consideration as prices prevailing in market economy third country. Even the exporter has claimed that there is no production of subject goods in the European Union. In such a case, the prices prevailing in European Union are governed by import prices of subject goods entering into European Union.
- h. The exporters have not suggested any alternative economy that can be considered for this purpose.
- i. Prices of exports to an appropriate market economy third country has been considered as basis for normal value in previous cases such as anti-dumping investigation of Glazed/Un glazed Porcelain/Vitrified Tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption from China (F.N. 7/39/2020-DGTR) wherein the price of exports from India to USA were considered for determination of normal value for China.
- j. The claims of the producer/exporter requesting individual anti-dumping duty and regarding low import prices on account of non-cooperative exporters must be critically examined based on information furnished in its regard.
- k. There is significant dumping even if normal value is constructed for price payable in India.

### **F.3. Examination by the Authority**

#### **Determination of Normal Value for China PR**

26. The Authority notes the following relevant provisions with regard to the determination of normal value for China PR. Provisions under Para 7 and Para 8 of Annexure I to the Anti- Dumping Rules are as under:

*“7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay of the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

*“8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so*

*that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)*

*(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.*

*(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization.”*

27. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information on whether their data/information could be adopted for normal value determination. The Authority sent copies of the market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/exporters in China PR to provide relevant information in this regard.

28. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

*“(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

- (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
- (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation*

*cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

*(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

*(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

*(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

29. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) have expired on 11<sup>th</sup> December 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15(a)(i) of the Accession Protocol require the criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status.
30. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR have filed the supplementary questionnaire response to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure – I of the Rules. Under these circumstances, the Authority has to proceed in accordance with para 7 of Annexure – I of the Rules.
31. It is noted that paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules stipulates three methods of constructing the normal value for non-market economies: (a) on the basis of price or constructed value in a market economy third country; (b) export price from a third country to other countries, including India; and (c) on any other reasonable basis. The Authority notes that under the provisions of paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules, the normal value must be determined on the basis of the price or constructed value in a surrogate country, or the price of the exports from such country to other countries, including India.
32. The domestic industry has claimed that normal value should be determined based on the prices in the EU in accordance with the framework of the Rules. The domestic industry has claimed that calculation of normal value based on prices in market economy third country is appropriate as the said methodology holds precedence over the other methodologies provided in the Rules.
33. The Authority has examined the relevant parameters for considering whether European Union can be considered as an appropriate market economy third country for determination of normal value for



China PR. It is undisputed that there is a significant difference in the levels of economic development between European Union and China. Further it is not forthcoming as to what is the share of Indian exports for the PUC in the overall European Union market and whether the same can be considered as representative of normal value in the European Union. In view of the aforementioned, the Authority does not deem it appropriate to determine normal value based on the Indian exports' price in the European Union.

34. The Authority has therefore determined normal value on the basis of cost of production of applicant, duly adjusted, and after addition for selling, general and administrative expenses, and reasonable profit margin. The constructed normal value so determined for Chinese producers/exporters is mentioned in the dumping margin table.

#### **Determination of Export Price for China PR**

##### **KTb**

##### **Export price for GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd**

35. Exporters' questionnaire response has been filed by a manufacturer from China PR namely GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. It is noted from the EQR filed by the aforesaid company, that during the POI, GenChem & GenPharm have exported \*\*\* MT of subject goods for USD \*\*\* to India. Adjustments towards Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight have been claimed for sales to India. The same has been accepted. Accordingly, the Authority has determined the export price as mentioned in the dumping margin table below.

##### **Export price for all other producers/exporters from China PR**

36. The export price for other non-cooperative producers/exporters from China PR has been determined based on the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

##### **STb**

##### **Export price for GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd**

37. Exporters' questionnaire response has been filed by a manufacturer from China PR namely GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. It is noted from the EQR filed by the aforesaid company, that during the POI, GenChem & GenPharm have exported \*\*\* MT of subject goods for USD \*\*\* to India. Adjustments towards Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight have been claimed for sales to India. The same has been accepted. Accordingly, the Authority has determined the export price as mentioned in the dumping margin table below.

##### **Export price for all other producers/exporters from China PR**

38. The export price for other non-cooperative producers/exporters from China PR has been determined based on the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

#### **Determination of Normal value for USA**

39. Since no submissions have been made with regard to the manner of determination of normal value for producers from USA, the same have been determined based on facts available. The normal value is considered on the basis of information available which has been determined on basis of cost of production adjusted for reasonable profits.

**Determination of Export price for USA**

40. The Authority has determined the export price for producers/exporters from USA on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from USA has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight on the basis of facts available.

**Dumping Margin**

41. The normal value, export price and dumping margin determined in the present investigation are as follows: -

**For KTB**

For RFB						
SN	Name of Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		(USD/MT)	(USD/MT)	(USD/MT)	(%)	(Range)
China PR						
1	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20
2	All other	***	***	***	***	20-30
USA						
1	All other	***	***	***	***	10-20

**For STB**

SN	Name of Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		(USD/MT)	(USD/MT)	(USD/MT)	(%)	(Range)
China PR						
1	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
2	All other	***	***	***	***	20-30

**G. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**

42. The injury assessment of the domestic industry has been undertaken on a cumulative basis for import of KTB from the subject countries. For, STB, injury assessment has been done on basis of imports from the subject country, that is, China PR.

**G.1. Views of the other interested parties**

43. The submissions made by the other interested parties with regards to injury and causal link are as follows:
- Imports of KTB from China and the US should not be cumulated as such imports do not face the same conditions of competition. There were no imports from China in 2021-22 and 2022-23, and the volume during 2019-20 and the period of investigation was very low.
  - While domestic sales remained the same, export sales declined, resulting in a decline in production and capacity utilization. The decline in export sales impacted the cost of production, resulting in losses.

- c. Contractual labour cost is a part of total labour cost and must be normated on capacity utilisation, as per Annexure III of the Rules. Annexure-III does not segregate between fixed labour / permanent labour and contractual labour.
- d. The number of employees for production of KTB has increased despite a decline in performance.
- e. The reason for increase in depreciation cost, interest cost, capital employed and net fixed assets of KTB without an increase in capacity should be examined.
- f. In case of STB, there is an increase in depreciation cost and interest cost without an increase in capacity.

## **G.2. Views of the domestic industry**

44. The submissions made by the domestic industry with regard to the injury and causal link are as follows:
- a. The provision for cumulative assessment under the Rules is a mandatory provision and the conditions set therein are met in the present case.
  - b. Volume and price of imports from individual subject countries are not relevant while assessing the need for cumulation. The injury assessment would show that imports from China and the USA, have caused injury even in case import are decumulated.
  - c. Despite having sufficient capacity to cater to the entire demand, the imports of KTB have increased.
  - d. The differences in price of KTB in other markets and that in Indian market has increased and quadrupled in period of investigation as compared to the base year.
  - e. In respect of KTB, the price of raw material, that is, potassium metal has increased since 2021-22. However, the landed price has only increased slightly till 2022-23, but declined thereafter.
  - f. In light of the increased imports, the domestic industry has suffered from under-utilized capacities and lost its market share to subject imports.
  - g. The landed price has not increased in tandem with selling price of the domestic industry, creating a strain on domestic prices.
  - h. The price undercutting has increased in the injury period.
  - i. The imports of KTB have suppressed and depressed the prices of the domestic industry.
  - j. The domestic industry has been able to maintain its sales of KTB only by making sales at loss making prices. Even then the sales of the domestic industry did not increase in line with the demand for KTB.
  - k. The profitability of the domestic industry for KTB has been adversely affected due to selling at loss making prices in an attempt to maintain its market.
  - l. The cash profits have declined and tuned into cash losses in the period of investigation.
  - m. The profitability for KTB in the export market remains decent, which shows that the prices prevailing in the domestic market have caused deterioration in performance of the domestic industry.
  - n. The domestic industry has not been able to earn any returns on its investments or earn profits even to meet its debt obligations.
  - o. In respect of STB, the condition of the domestic industry is abysmal as it struggles to even continue operations.
  - p. The imports of STB have increased significantly in absolute and relative terms taking over a dominant share of the market. The subject imports have increased more than the increase in demand.
  - q. The increase in imports of STB coincides with the decline in prices of such imports.

- r. The lower priced imports have pushed the domestic industry to a minority share as the price undercutting increased.
- s. Though the price of raw material, that is, sodium metal, has increased since 2021-22, the landed price of STB did not follow the same trend and declined.
- t. The prices of imports of STB are below the cost of sales of the domestic industry creating a strain on the prices of the domestic industry.
- u. The imports of STB have suppressed and depressed the prices of the domestic industry.
- v. The differences in price of STB in other markets than that in Indian market has increased and is more than double that price in Indian market.
- w. The capacity utilization of the domestic industry has declined as market share of the imports of STB has increased.
- x. The domestic industry has lost its market share despite having sufficient capacity to cater to entirety of demand.
- y. The domestic industry has faced significant losses including cash losses, despite selling at slightly higher prices in an attempt to mitigate losses.
- z. The low-priced imports of STB have adversely impacted the ability to generate employment through contractual labour due to the decline in production.
- aa. The subject imports have adversely impacted the ability to meet its debt obligations and prevented the domestic industry to earn any returns on its investments.
- bb. The number of employees for KTB has increased on account of increase in production and sales thereof.
- cc. There is causal link between dumping and injury, and the injury to the domestic industry is not caused by any other factor.
- dd. The decline in export sales of the domestic industry has not caused injury because even, if the export sales do not decline the domestic industry would face deteriorating profitability for KTB and losses for STB. Moreover, the volume of exports sales is negligible and would not have impacted the performance of the domestic industry.
- ee. The interest cost of the domestic industry is immaterial as compared to total costs incurred by the domestic industry. The same do not have an impact on the overall costs and performance of the domestic industry.
- ff. The domestic industry has undertaken expenses on replacement of dryers and purchase of assets for utility generation, which has resulted in increase in net fixed assets and depreciation costs without increase in production capacity.
- gg. In the present case, the contractual labour hired is contingent on the production levels which makes such labour a variable cost. Contractual labour forms a part of direct labour and is accounted under variable costs, as provided under the Manual of Operating Procedures. As per practice, such variable costs must not be normated over the injury period.

### **G.3. Examination by the Authority**

- 45. The Authority has examined the arguments and counter arguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.
- 46. Rule 11 of the Anti-dumping Duty Rules, 1995 read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is

considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

47. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigation with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed below under the relevant parameters.
48. The Authority notes that it is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration, while some others may not. The Authority considers all injury parameters for assessing the financial parameters of the domestic industry. The Authority has examined the injury parameters objectively considering the facts and arguments submitted by the domestic industry and the other interested parties.

### **G.3.1. Injury assessment in respect of KTB**

#### **Cumulative assessment of imports**

49. Article 3.3 of WTO agreement and Para (iii) of Annexure II of the AD provide that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that-
  - a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and
  - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
50. The Authority notes that in the present case, the margin of dumping and the volume of imports from both the countries fulfil the requirement specified in the rules for cumulative assessment. With reference to the conditions of competition, it is noted that the exporter has not disputed that the goods imported from China and from USA are competing in the same market, and with the goods supplied by the domestic industry. The domestic producers and exporters from the subject countries sell the like product to the same category of customers and both are competing in the same market. Both the products are being used by the consumers interchangeably.
51. In view of the above, the Authority notes that:
  - a. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
  - b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
  - c. Cumulative assessments of the effects of imports are appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
52. Accordingly, the Authority notes that it would be appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry.

**A. Assessment of demand / apparent consumption**

53. For the purpose of the present investigation, the Authority has defined demand or apparent consumption of the product under consideration in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Sales of Domestic industry*	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	106	121
Subject imports	MT	91	108	121	161
Other Countries imports	MT	3	-	-	-
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	113	138

**\*KTB**

54. It is seen that the demand for the subject goods has increased during the injury period.

**B. Volume effect of the dumped imports**

55. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S. The import volumes of the subject goods from the subject countries and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Subject Country	MT	91	108	121	161
China PR	MT	10	-	-	27
USA	MT	81	108	121	135
Others	MT	3	-	-	-
Total Imports	MT	94	108	121	161
Subject Imports in relation to					
Total imports	%	97%	100%	100%	99%
Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	137	143
Consumption	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	119	129

**\*KTB**

56. It is seen that:

- The volume of subject imports has increased continuously, in absolute terms as well as in relative terms, in the injury period.
- In absolute terms, the subject imports have increased significantly by \*\*\*% in the injury period.

- c. The imports have also increased in relation to production by \*\*\*% and in relation to consumption by \*\*\*%.
- d. The subject imports account for \*\*\*% of total demand in the country.
- e. There are no imports from non-subject countries during the period of investigation.

### C. Price effect of the dumped imports

57. With regard to the price effect of the imports from the subject countries, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the imports from the subject countries have been examined with reference to price undercutting, price suppression and price depression, if any.

#### a) Price undercutting

58. Price undercutting has been assessed by comparing the landed price of imports with the domestic selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

Particulars*	Unit	China PR	USA	Subject Countries
Net sales realisation	₹/MT	***	***	***
Landed Price	₹/MT	10,15,450	10,06,185	10,24,865
Price undercutting	₹/MT	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***
Price undercutting	Range	5-15%	5-15%	5-15%

\**KTb*

59. It is seen that the price undercutting is positive and significant in the period of investigation.

#### b) Price suppression/depression

60. In order to determine whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority has examined the changes in the costs and prices of the domestic industry over the injury period.

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	127	127
Selling price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	116	110
Landed price	₹/MT	9,65,789	9,86,641	10,60,490	10,24,865
Trend	Indexed	100	102	110	106

\**KTb*

61. It is seen that in 2021-22, the cost of sales, selling price and the landed price have increased at almost the same rate. However, in 2022-23, though the cost of sales increased significantly, the domestic industry was not able to increase its selling price in line with the same, due to the landed price being lower. Thereafter, in the period of investigation, the cost of sales remained the same, while the selling price declined. Over the entire injury period, that cost of sales of the domestic industry increased by \*\*\*, but the domestic industry was able to increase its selling price by only \*\*. Thus, the imports have suppressed the prices of the domestic industry.

**D. Economic parameters of the domestic industry**

62. Annexure II to the Rules require that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on capital employed or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, performance of the domestic industry has been examined over the injury period.

**a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes**

63. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, sales and capacity utilization over the injury period was as below

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	139	139
Total Production (PUC+ NPUC)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	117	112
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	84	81
Production (PUC)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	111	119
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	106	122

**\*KTB**

64. The Authority notes that the capacity has increased by \*\*\*% in the injury period. The production and sales have also increased. This was due to the increase in capacity and the fact that domestic industry reduced its selling prices to compete with dumped imports. However, the domestic industry has suffered from low-capacity utilization, despite there being significant demand in the country.
65. With regard to the submissions that there is an increase in net fixed assets, depreciation costs and capital employed of the domestic industry without an increase in production capacity, it is noted that the domestic industry incurred expenses on assets for utilities and replacement of dryers.



b) **Market share**

66. Market share of the domestic industry and of imports was as shown in table below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	93	88
Subject Countries	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	117	128
Other countries	%	***	-	-	-
Trend	Indexed	100	-	-	-
Total	%	100	100	100	100

\***KTb**

67. It is seen that the while the market share of subject imports has increased, market share of the domestic industry and non-subject imports have declined over the injury period. Thus, the imports have taken over the market share of the domestic industry and non-subject countries.

c) **Inventories**

68. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Opening inventory	MT	***	***	***	***
Closing inventory	MT	***	***	***	***
Average inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	55	46	30

\***KTb**

69. It is seen that the average inventories with the domestic industry have declined over the injury period.

d) **Profitability, cash profits and return on capital employed**

70. Profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry over the injury period is given in the table below

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	127	126
Selling price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	108	109
Profit per unit	₹/MT	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	95	44	(1)
Total Profit/(Loss)	₹ Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	105	47	(2)
Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	52	10

Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	42	0.1

**\*KTB**

71. The Authority notes that:

- a. The profit per unit of the domestic industry have declined throughout the injury period and has turned into losses in the period of investigation.
- b. The return on capital employed and cash profits increased marginally in 2021-22, but declined thereafter.
- c. The return on capital employed earned by the domestic industry is negligible.

72. The Authority notes that both the selling price and cost of sales of the domestic industry have increased over the injury period. However, the domestic industry has not been able to increase its selling price in line with the increase in cost of sales on account dumped imports. Accordingly, the profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry have declined over the injury period and the domestic industry has faced losses in the period of investigation.

73. The other interested parties have contended that the profitability of the domestic industry has deteriorated as a result of increase in interest cost. However, interest costs of the domestic industry are negligible in comparison to the total costs and do not have a material impact on the overall costs and performance of the domestic industry.

e) **Employment, wages and productivity**

74. Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	109	126
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	111	119
Productivity Per employee	MT/Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	133	102	95
Salaries & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	75	67	82

**\*KTB**

75. It is noted that the number of employees increased over the injury period. The productivity per day has remained constant over the injury. However, the productivity per employee increased in 2021-22 and declined thereafter to the original level. The salaries and wages have declined in the injury period.

f) **Magnitude of dumping**

76. It is noted that the subject goods are being dumped into India and the dumping margin is positive and significant.

g) **Growth**

Particulars*	Unit	2021-22	2022-23	POI
Production	%	28	-13%	7%
Domestic Sales	%	11	-4%	15%
Profit/Loss	%	5	-55	-104
Cash Profit	%	3	-49	-80
Return on Capital Employed	%	20	-65	-100

**\*KTB**

77. It is noted that the production, sales, profits, cash profits and returns on capital employed have demonstrated negative growth in 2022-23 as compared to previous year. Further, barring production and domestic sales, all parameters have shown deterioration during the period of investigation as well.

h) **Ability to raise capital investment**

78. The Authority notes the profitability of the domestic industry has declined in the injury period. The return on capital employed of the domestic industry declined and is negative in the period of investigation. Thus, the subject imports have adversely impacted the ability of the domestic industry to raise its capital investment.

i) **Factors affecting prices**

79. The Authority notes that the landed price of subject imports is below the selling price and cost of sales of the domestic industry post 2021-22. The imports have prevented price increases, which otherwise would have occurred, and have depressed the prices of the domestic industry. As a result, the domestic industry has been forced to sell at prices below its cost of sales, leading to losses in the period of investigation. Thus, the subject imports have adversely impacted the domestic prices in India.

**G.3.2. Injury assessment in respect of STB****A. Assessment of demand / apparent consumption**

80. The Authority has defined demand or apparent consumption of the product under consideration in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Sales of Domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	179	104	62
Subject imports	MT	16	280	399	291
Other Countries imports	MT	-	0.005	0.006	-
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	279	256	175

**\*STB**

81. It is seen that the demand for the subject goods has increased in 2021-22 as compared to base year and thereafter declined during the period of investigation. Overall, the demand has increased in the injury period.

**B. Volume effect of the dumped imports**

82. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S. The import volumes of the subject goods from the subject country and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Subject Country	MT	16	280	399	291
Others	MT	-	0.005	0.006	-
Total Imports	MT	16	280	399	292
Subject Imports in relation to					
Total imports	%	100	100	100	100
Indian Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	1009	2126	2625
Indian Demand	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	627	971	1,043

**\*STB**

83. It is seen that:
- The volume of subject imports has increased till 2022-23 and declined in the period of investigation, with the decline in demand.
  - In absolute terms, the subject imports have increased significantly by \*\*\*% in the injury period.
  - The subject imports have also increased significantly by \*\*\*% in relation to production and by \*\*\*% in relation to consumption over the injury period.
  - The imports account for \*\*\*% of total demand in the country. It is also noted that the product is not imported from any non-subject country.

**C. Price effect of the dumped imports**

84. With regard to the price effect of the imports from the subject country, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the imports from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price suppression and price depression, if any.

**a) Price undercutting**

85. Price undercutting has been assessed by comparing the landed price of imports with the domestic selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

Particulars*	Unit	China PR
--------------	------	----------

Net sales realisation	₹/MT	***
Landed Price	₹/MT	3,48,872
Price undercutting	₹/MT	***
Price undercutting	%	***
Price undercutting	Range	10-20%

**\*STB**

86. It is seen that the price undercutting is positive and significant in the period of investigation. The domestic industry has emphasized that the period in which the volume of subject imports has increased, coincides with the decline in import prices.

**b) Price suppression/depression**

87. In order to determine whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority has examined the changes in the costs and prices of the domestic industry over the injury period.

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Cost of sales	₹MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	129	124
Selling price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	110	117
Landed price	₹/MT	3,98,923	3,56,282	3,64,536	3,48,872
Trend	Indexed	100	89	91	87

**\*STB**

88. It is noted that in 2021-22, the cost of sales and selling price increased slightly. The landed price declined by \*\*\*% during this period. Subsequently, the cost of sales increased by \*\*\*%, but the selling price could only increase by \*\*\*%, owing to the landed price being much lower. During the period of investigation, the cost of sales declined by \*\*\*%. However, the domestic industry was able to recover its selling price slightly by \*\*\*%. Even then, the selling price remained low, compared to the cost of sales. Over the injury period, the cost of sales increased by \*\*\*%. However, the domestic industry was able to increase its prices by only \*\*\*%, since the landed price reduced. Thus, the imports have suppressed the prices of the domestic industry.

**D. Economic parameters of the domestic industry**

89. Annexure II to the Rules require that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on capital employed or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, performance of the domestic industry has been examined over the injury period.

**a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes**

90. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, sales and capacity utilization over the injury period was as below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Total Production (PUC+NPUC)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	117	112
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	117	112
Production (PUC)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	174	117	69
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	179	104	62

**\*STB**

91. The Authority notes that the capacity has remained constant in the injury period. The production, sales and capacity utilisation of the domestic industry has increased till 2021-22 and declined thereafter in the period of investigation. The domestic industry has not been able to operate at its optimum level or fully utilize its capacity.
92. With regard to the submissions that there is an increase in depreciation costs of the domestic industry without an increase in production capacity, it is noted that the domestic industry incurred expenses on assets for utilities and replacement of dryers.

**b) Market share**

93. Market share of the domestic industry and of imports was as shown in table below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	64	41	36
Subject Countries	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	627	971	1,043
Other countries	%	-	-	-	-
Total	%	100	100	100	100

**\*STB**

94. It is seen that the market share of the domestic industry has declined significantly over the injury period. On the other hand, the market share of the subject imports has increased more than ten-fold. The domestic industry has highlighted that the decline in market share has directly resulted in a decline in capacity utilization of the domestic industry.

**c) Inventories**

95. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Opening inventory	MT	***	***	***	***
Closing inventory	MT	***	***	***	***
Average inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	58	72	30

\*STB

96. It is seen that the average inventories with the domestic industry declined in 2021-22, increased in 2022-23 and then again declined in the period of investigation. The domestic industry has submitted that it has made sales at unremunerative prices in said period to retain its customers.

**d) Profitability, cash profits and return on capital employed**

97. Profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	129	124
Selling price	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	110	117
Profit per unit	₹/MT	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	64	(668)	(161)
Total Profit/(Loss)	₹ Lacs	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	115	(695)	(100)
Cash Profit	₹ Lacs	***	***	(***)	***
Trend	Indexed	100	125	(179)	6
Return on Capital Employed	%	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	82	(529)	(117)

\*STB

98. The Authority notes that:

- The profits, including cash profits of the domestic industry have declined in the injury period. The domestic industry incurred losses in 2022-23 and the period of investigation.
- During the period of investigation, the losses of the domestic industry have reduced slightly, due to decline in cost of sales. However, the domestic industry has continued to incur significant losses.
- The return on capital employed declined throughout the injury period and was negative in 2022-23 and the period of investigation.

99. The other interested parties have contended that the profitability of the domestic industry has deteriorated as a result of increase in interest cost. However, interest costs of the domestic industry are negligible in comparison to the total costs and do not have a material impact on the overall costs and performance of the domestic industry.

**e) Employment, wages and productivity**

100. Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars*	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	115	73
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	174	117	69
Productivity per employee	MT/Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	133	102	95
Salaries & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	82	57

**\*STB**

101. It is noted that number of employees, productivity, and wages have deteriorated in the injury period. The domestic industry has also claimed that the subject imports have adversely impacted the contractual employment generated by the domestic industry, as its contractual labour has declined.

**f) Magnitude of dumping**

102. It is noted that the subject goods are being dumped into India and the dumping margin is positive and significant.

**g) Growth**

Particulars*	Unit	2021-22	2022-23	POI
Production	%	73.74	-32.52	-40.79
Domestic Sales	%	78.96	-41.83	-40.23
Profit/Loss	%	15.38	-702.41	-85.54
Cash Profit	%	-30.09	-345.59	-105.64
Return on Capital Employed	%	-17.62	-741.60	-77.91

**\*STB**

103. It is noted that the production, sales and profits improved in 2021-22 as compared to previous year. In 2022-23, production, domestic sales, profits, cash profits and returns on capital employed have shown a negative growth. In the period of investigation, the production and domestic sales have declined further, while profits, cash profits and return of capital employed improved, as compared to 2022-23. However, despite the improvement, the domestic industry has continued to face losses and negative returns.

**h) Ability to raise capital investment**

104. The Authority notes the profitability of the domestic industry has declined in the injury period. From 2022-23, the profits of the domestic industry turned into losses. The profitability improved in the period of investigation as the losses declined. However, the domestic industry continued to incur heavy losses. The returns earned by the domestic industry have also declined and were negative in 2022-23 and the period of investigation. Thus, it is noted that the subject imports have adversely impacted the ability of the domestic industry to raise capital investments.



**i) Factors affecting prices**

105. The Authority notes that the landed price of subject imports is below the selling price and cost of sales of the domestic industry in 2022-23 and the period of investigation. Due to this the domestic industry has been forced to sell at prices below its cost of sales which led to losses in 2022-23 and the period of investigation. Thus, the subject imports have adversely impacted the domestic prices in India.

**H. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN**

106. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating the injury margin.
107. The expenses incurred on contractual labour has been considered as part of variable cost as the same is a direct cost depending on the production level.
108. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities.
109. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses are charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price.
110. The landed price for the cooperative exporter has been determined on the basis of the data furnished by the exporters. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on facts available.
111. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below-

**Injury margin for KTB**

Injury margin for RPD						
SN	Name of producers	Non-injurious price	Landed price	Injury margin	Injury margin	Injury margin
		\$/MT	\$/MT	\$/MT	%	Range
China PR						
1	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
2	Any other	***	***	***	***	10-20
USA						
1	Any Exporter/Producer	***	***	***	***	0-10

**Injury margin for STB**

SN	Name of producers	Non-injurious price	Landed price	Injury margin	Injury margin	Injury margin
----	-------------------	---------------------	--------------	---------------	---------------	---------------

		\$/MT	\$/MT	\$/MT	%	Range
<b>China</b>						
1	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.	***	***	(***)	(***)	(0-10)
2	Any other	***	***	***	***	0-10

# **I. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS**

112. The Authority examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have caused injury to the domestic industry. As per the Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than dumped imports which are injuring to the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the subsidized imports. The Authority examined whether other known listed factors have caused injury to the domestic industry.

## **a) Volume and value of imports from third countries**

113. It is seen that other than the subject countries, there are no imports from other countries during the period of investigation. Thus, it cannot be said that imports from other countries are causing injury.

## **b) Contraction in demand**

114. The Authority notes that there is no contraction in demand for KTB as the demand of KTB in the country has increased in the injury period. Thus, the domestic industry has not suffered any injury on this account. For STB, while the demand has declined in the period of investigation, the deterioration in the performance of the domestic industry is higher. The domestic industry has also emphasized that had the imports maintained the same market share as at the beginning of the injury period, the domestic sales of the domestic industry would have actually showed an increase, despite the decline in demand. In any case, none of the interested parties have contended that there has been a contraction in the demand for the subject goods. The decline in demand during the period of investigation could be temporary in nature, and may normalize over a period.

## **c) Pattern of consumption**

115. There has been no known material change in the pattern of consumption of the product under consideration, to which the injury suffered can be attributed.

## **d) Conditions of competition and trade restrictive practices**

116. The imports of the subject goods are not restricted in any manner and are freely importable in the country. Since the domestic industry is the sole producer of the subject goods in the country, there is no possibility of inter-se competition between the domestic producers causing injury to the domestic industry.

## **e) Developments in technology**

117. The Authority notes that the investigation has not shown that there was any significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry.

## **f) Productivity**

118. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has improved over the injury period.

## **g) Export performance of the domestic industry**

119. The Authority notes that injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Regarding submission that the decline in export sales has adversely affected the performance of the domestic industry, it is noted that the export sales are negligible and do impact the performance of the domestic industry. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

**h) Performance of other products**

120. The injury suffered cannot be attributed to the performance of other products of the company, as the domestic industry has segregated and provided information relates solely to the performance of the like articles produced by the domestic industry.

**J. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK**

121. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows injury to the domestic industry. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

**Causal link for KTB**

- i. The domestic industry has lost its market share to the subject imports. The volume of subject imports has increased significantly in absolute terms as well as in relation to production and consumption in India.
- ii. The landed price of subject imports is below the cost of sales of the domestic industry. The imports are undercutting the price of the domestic industry.
- iii. The subject imports have suppressed the prices of the domestic industry.
- iv. The domestic industry has been forced to compete with low priced subject imports and as a result, the profitability of the domestic industry has declined in the injury period.
- v. The domestic industry has suffered significant losses in the period of investigation. The cash profits have declined during the period of investigation.
- vi. The domestic industry has earned very low returns on its investment during the period of investigation. This has adversely impacted the ability of the domestic industry to raise capital investment.

**Causal Link for STB**

- i. The subject goods have taken over the market share of the domestic industry. The volume of subject imports has increased significantly in absolute terms as well as in relation to production and consumption in India.
- ii. The imports are undercutting the price of the domestic industry creating a demand for subject goods priced below the cost of sales of the domestic industry.
- iii. The subject imports have suppressed the prices of the domestic industry. The production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry has declined.
- iv. The profitability of the domestic industry has declined sharply as it has suffered significant losses and its cash profits declined during the period of investigation.
- v. The domestic industry has earned negative returns on its investment during the period of investigation.

**K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES****K.1. Views of other interested parties**

122. The submissions made by the other interested parties with regards to Indian industry's interest are as follows:
- a. Considering the critical nature of the product, Indian navy and mining industry should not be dependent entirely on supply by one single domestic producer.

**K.2. Views of domestic industry**

123. The submissions made by the domestic industry with regards to Indian industry's interest are as follows:
- a. Both KTB and KO<sub>2</sub>, are produced using potassium metal which is produced by the domestic industry as the upstream product.
  - b. KO<sub>2</sub> based products are critical chemicals which are supplied to the Indian Navy, nuclear reactors and mining industry.
  - c. Continued plant operations of the domestic industry are essential for the production and supply of KO<sub>2</sub> and therefore critical for India's national interests.
  - d. The domestic industry is an MSME, and providing a level playing field by way of anti-dumping duty is in consonance with the developmental objectives of the government.
  - e. The domestic industry is the only producer for the like article and the injury caused on account of the dumped imports would make the production operations of the domestic industry unviable and result in complete reliance on imports for products critical to national interests.
  - f. The production of like article employs highly sophisticated technology with significant investments allowing it to be at par with the global producers. The imposition of anti-dumping duty is essential for keeping the operations of the domestic industry viable.
  - g. The subject goods are used as catalysts in chemical reactions and active pharmaceuticals intermediates and would have a negligible impact on overall cost for downstream users.
  - h. Lack of participation from user industry shows that the users are not likely to be impacted.
  - i. Continued dumping of the subject goods would render the domestic industry unviable and leave the consumers to the mercy of foreign producers. Such a situation would allow foreign producers to manipulate the prices to the detriment of the Indian consumers.
  - j. The domestic industry has merely sought relief by way of imposition of duty which shall ensure fair competition and allow it to earn remunerative returns.
  - k. The domestic industry has sufficient capacity to cater to the entirety of demand.
  - l. In light of the domestic industry having sufficient capacity to cater to the demand, the imports are entirely unnecessary and reliance on domestic capabilities shall conserve the outgoing foreign exchange and improve the balance of payment account of the country.
  - m. Even after excluding captive consumption and export sales for KTB and STB, the domestic industry has a capacity four times the demand.

**K.3. Examination by the Authority**

124. The Authority notes that the purpose of duty is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duty does not aim to restrict imports from the subject countries in any way. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India marginally. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would prevent decline in

the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

125. The Authority issued initiation notification inviting views from all interested parties, including importers, consumers and others. Authority also prescribed a questionnaire for the users/ consumers to provide relevant information with regard to present investigation, including any possible effects of anti-dumping duty on their operations. However, it is noted that barring the domestic industry and one exporter/producer, no other party has made any submissions with regard to public interest.
126. The Authority notes that no evidence has been provided to show that imposition of duties may lead to deterioration in the performance of the users. As noted above, despite the Authority providing an opportunity to provide structured and substantiated information, in the response to the economic interest questionnaire, the users have preferred not to participate in the present investigation. In view of the same, the Authority notes that it cannot be concluded that the imposition of measures would result in an adverse impact on the domestic industry. On the other hand, the domestic industry has explained that the product is only a catalyst for the downstream users, and therefore, does not form a significant part of the cost of production of the users.
127. With regard to availability of the like article in the country, the Authority notes that the anti-dumping duty does not restrict imports from the subject countries, but only provides a level playing field. In any case, the domestic industry has sufficient capacity to cater to the demand in India.
128. It is also noted that the domestic industry is the sole producer of the like article in India, playing an important role in the supply chain. The domestic industry is a MSME producer.
129. The upstream product of KTB, that is, potassium metal, is also used for production of KO<sub>2</sub>, based products. These KO<sub>2</sub> based products are supplied to the to the Indian Navy, nuclear reactors and mining industry. \*\*\*\*% of the potassium metal is used in KTB plant, while \*\*\*\*% is used in KO<sub>2</sub> plant. If the KTB plant becomes unviable, the upstream potassium metal plant also becomes unviable. Thus, a threat to the viability of the plant operations of the domestic industry poses a serious threat to the production of Potassium metal and is likely to make its production uneconomical. Further, it has also been submitted that the domestic industry is the sole licensed supplier of critical chemicals to the Indian Navy. The domestic industry plays an important role in supplying critical chemicals to the Indian Navy, mining industry and nuclear energy sector. The deteriorating performance of the domestic industry may put the supplies for certain critical sectors in peril.

## **L. POST DISCLOSURE COMMENTS**

### **L.1. Submissions of the other interested parties**

130. The other interested parties have made the following submissions on the disclosure statement issued:
  - i. The time granted for submissions of comments on the disclosure of information is inadequate.
  - ii. With respect to KTB, GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd has been found as a cooperating producer/exporter and has been provided an individual rate of duty. In case there is any further deviation from such an observation, a revised disclosure must be issued with further opportunity to provide comments on the same.
  - iii. With respect to STB, the export price of GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. has been considered for determination of an individual dumping margin. In case there is any further

- deviation from such an observation, a revised disclosure must be issued with further opportunity to provide comments on the same.
- iv. The landed value for STB determined for GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd is incorrect.
  - v. No information has been provided regarding an adjustment made to the landed price. The landed price may be re-determined and an opportunity may be provided to provide comments.
  - vi. In case the landed value for STB is not re-determined, the relevant legal basis, methodology, quantum, rationale for determination of landed value must be disclosed allowing the exporter to make comments on the same.
  - vii. The export documents such as Bill of entry, Commercial and VAT Invoice and other documents for verification of landed price and export price, have been sought after issuance of disclosure statement, especially since the desk verification was completed in [November 2024].
  - viii. The details of reconciliation of export information and documents, provided by the exporter in response to the transaction-wise DG system data given by the Authority, have not been disclosed.
  - ix. According to Rule 16 of the AD Rules, no information may be sought after issuance of disclosure statement. Reliance on information sought after issuance of disclosure statement, in the final findings is invalid and contrary to Rule 16.
  - x. The request for export related documents is repetitive as all supporting documents for adjustments claimed were submitted at the verification stage.
  - xi. Request for Bill of entry, which is a document filed by an importer, from an exporter is not justified.
  - xii. The fresh information sought has been requested in the last month of the investigation, and there would not be adequate time for the Authority to objectively analyse and seek clarifications.
  - xiii. Adverse facts must not be applied against the exporter for not providing adequate information post issuance of disclosure. Rule 6(8) requires adverse inference only on failure of provision of necessary information in reasonable time and the information sought in the present case is not necessary and a reasonable period was not granted for furnishing the same.
  - xiv. The exporter has fully complied with the request of information and in case the same warrants a change in the essential facts of the disclosure statement, a revised disclosure must be issued.
  - xv. It appears that the price undercutting determined for the subject goods is higher than the injury margin. This implies that the selling price of the domestic industry is higher than its fair selling price. In view of this, it cannot be concluded that the injury caused to the domestic industry is due to subject imports.
  - xvi. The claims of losses incurred by the domestic industry must not be accepted in light of the determination that its actual selling price is higher than its fair selling price.
  - xvii. With respect to STB, the injury margin determined for the cooperating producer exporter and all others is in the same range. A higher injury margin for all other producers/exporters of STB must be determined based on facts available, as per consistent practice of the Authority.

## **L.2. Submissions of the domestic industry**

131. The domestic industry has made the following submissions on the disclosure statement issued:

- i. Normal Value can be constructed on any other reasonable basis only after considering that the other methodologies provided under Para 7 of Annexure I of the Rules are not feasible.

- ii. The applicant has provided information with regard to price in a market economy third country on the basis of export price from India to the EU and the same must be considered in view of the inherent precedence in methodology provided under the Rules.
- iii. In previous investigation of Glazed/Unglazed Porcelain/Vitrified Tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption from China [F.N. 7/39/2020-DGTR], the Authority has considered the export price from India to the USA for the normal value.
- iv. EU is the second largest market for Indian exports of KTB and the largest market for Indian exports of STB. It has not been disputed that there is no domestic production of subject goods in the EU. This makes the export process as the prevailing prices in the EU, suitable for determination of normal value for China.
- v. The export price from India to Japan is higher than that to the EU.
- vi. The cost of captive inputs used for KTB has been optimised based on lowest cost of raw material and highest utilisation level, for determination of non-injurious price. The same is inconsistent with previous practice and Annexure-III of the Rules.
- vii. Optimisation of cost of production of captive inputs is also inconsistent with the position taken by the Authority in its affidavit filed before the Hon'ble High Court of Delhi that captive inputs should be valued at their cost of production as per the books of accounts after necessary examination and reconciliation.
- viii. Findings in the previous investigation of Potassium Carbonate originating in or exported from the European Union, Korea RP, China PR and Taiwan [No.15/12/2014-DGAD] shows that the non-injurious price shall be determined based on cost of production as per records/books of accounts when such records are in accordance with generally accepted accounting principles.
- ix. The CESTAT had remanded the matter in the anti-dumping investigation into imports of Poly Tetra Fluoro Ethylene or PTFE from Russia, wherein, the Authority re-determined the non-injurious price as per cost of production and return, which was earlier, valued as per Excise records with cost plus 110%.
- x. Blanket exclusion of selling and distribution overhead expenses for determination of non-injurious price is contrary to Annexure – III and the Manual of Operating Practices. In fact, the Annexure-III requires apportionment of common selling expenses. At most, the law provides for exclusion of post clearance selling expenses, beyond the ex-factory level, such as commission, discount and freight.
- xi. The freight incurred on account of transfer of captive input from [Vapi] to [Ambernath] forms a part of the cost of raw material as per the Cost Accounting Standard 6 on Material Costs. Such freight must be included in the non-injurious price.
- xii. In view of the above, the non-injurious price of the domestic industry must be re-determined to allow effective remedy to the industry.
- xiii. The information considered for the examination of economic parameters under paragraphs 70, 98 and 103 must be clarified.
- xiv. Information regarding the share of imports in total demand must be kept confidential.
- xv. The disclosure issued does not conclusively note that the causal link between the dumping and injury. The factors establishing causal link must be included in the final findings of the Authority.
- xvi. The anti-dumping duties shall not be against public interest. On the other hand, the absence of duties would render the only domestic producer unviable and leave the consumers at the mercy of foreign producers which will dominate and monopolise the Indian market to the detriment of the consumers. Such a situation was seen in Anti-dumping investigation into imports of N, N'-Dicyclohexyl Carbodiimide ("DCC") from China PR (F. No. 06/53/2020-DGTR) and in case, the duties are not imposed, the same may be occur in the present case.

- xvii. Since the upstream product is dependent on the subject goods and is used in critical sectors such as defence, nuclear energy and mining, monopolisation by foreign parties would pose serious threat to national interests.
- xviii. Even after excluding the export sales, captive consumption and production of non-subject goods, the domestic industry has a capacity, four times the demand.
- xix. Imposition of duties would impact positively on the balance of payment account of the country.

### **L.3. Examination by the Authority**

- 132. As regards the time given for offering comments on the disclosure statement, it is noted that anti-dumping investigations are time bound in nature and adequate time has been provided to the interested parties at different stages of the investigation. As the purpose of the disclosure statement is only to inform essential facts which have been gathered during the course of investigation and not to elicit new information or legal submissions, the time provided is considered reasonable.
- 133. The Authority has examined the response provided by GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. (which has been given individual margin) based on the information furnished.
- 134. The landed price of STB considered for GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd. is based on the response filed by the exporter. The comments raised by the exporter in respect of landed price have been addressed and the landed price has been re-determined in accordance with relevant law.
- 135. The Authority notes that in the interest of investigation, the Authority may seek relevant information for checking accuracy of information furnished. The export documents sought from the exporter has allowed verification of information based on which an individual margin has been given to GenChem & GenPharm (Changzhou) Co. Ltd.
- 136. It has been found that the subject imports from both cooperative and non-cooperative producers have been dumped and injury is caused to the domestic industry on account of certain imports. Thus, the submissions regarding price undercutting have been examined and addressed above.
- 137. As regard to the request for a higher injury margin for all other exporters/ producers of STB, it is noted that the injury margin for all others has been determined based on facts available as per the Rules.
- 138. The Authority considers that all relevant parameters have been considered for determination of normal value for China. For the reasons already recorded in relevant section, the Authority considers it inappropriate to determine export price from India to Europe as representative of normal value in EU.
- 139. As regards valuation of captive inputs, the Authority considers that Annexure-III requires the Authority to consider optimised cost for captive input in case such captive input has been valued in the books at cost.
- 140. As regards exclusion of some selling and distribution expenses, the Authority holds that Annexure-III requires exclusion of these expenses which are post manufacturing and at ex-factory level.
- 141. With respect to the clarifications sought regarding the economic parameters examined, the injury assessment above ipso facto addresses the concerns raised.



142. The examination of injury and causal link has been done based on the information on record and the same establishes a clear causal link between the dumping and injury caused to domestic industry.
143. The Authority has noted that the duties are in public interest and the imposition of duties would not cause deterioration in the performance of the users. All relevant submissions have been considered in this regard.

#### **M. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS**

144. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes the following:-
- i. The Authority holds that the applicant provided a duly substantiated application, based on which the present investigation was initiated. The present investigation was initiated by the Authority based on the data/ information provided by the domestic industry and prima facie satisfying that there is sufficient evidence of the dumping, injury and causal link.
  - ii. The product under consideration is Potassium Tertiary Butoxide (KTB) from China and the United States of America; and Sodium Tertiary Butoxide from China.
  - iii. KTB is a chemical compound also known Potassium-t-butoxide, Potassium Tertiary Butylate or Potassium-t-butylate, used as an intermediate in deprotonation reactions and found in active pharmaceutical intermediates (API).
  - iv. STB is known as Sodium-t-butoxide, Sodium Tertiary Butylate or Sodium-t-butylate, used as an intermediate in reactions such as like deprotonation, condensation, base catalyzed, rearrangement and ring-opening and applied in agrochemicals, pharmaceuticals, colorants, aroma chemicals, polymers, detergents and biodiesel.
  - v. The Authority has not adopted a PCN methodology in the present investigation, considering that both STB and KTB each is produced and sold in one form only.
  - vi. Since no producer from China filed request for market economy treatment, Chinese producers have been considered as operating in a non-market economy and the information given by the domestic industry for determination of normal value was not found appropriate. Based on this, normal value for China has been determined on a reasonable basis, which is based on cost of production of the domestic industry with reasonable adjustments and after including reasonable profits.
  - vii. The normal value and export price for cooperative producer/exporter has been determined based on the information provided by such party, after due verification of such information.
  - viii. Considering the normal value and export price determined, the dumping margin for the subject goods from the subject countries is positive and above *de minimis*.
  - ix. Dumped imports of KTB have caused injury to the domestic industry, as is evident from the following summarized factors
    - a. The demand for the subject goods increased during the injury period.
    - b. Imports of the subject imports have increased significantly during the injury period, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.
    - c. There are no imports from non-subject countries.
    - d. Imports of the product are undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, effect of dumped imports has been to cause price suppression in the market. The domestic industry has not been able to increase its prices in proportion to the increase in cost of production.
    - e. The dumped imports have led to gross underutilization of production capacities, loss of market share to the domestic industry. Performance of the domestic industry has

deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investment. The domestic industry has suffered financial losses, cash losses and negative return on investment in the period of investigation.

- f. The domestic industry has suffered injury as a result of the dumped goods from the subject countries.
- g. The injury margin is positive and above de minimis.
- h. No other factor has caused injury to the domestic industry.
- i. The domestic industry has suffered material injury as a result of the dumped imports.
- x. Dumped imports of STB have caused injury to the domestic industry, as is evident from the following summarized factors
  - a. The demand for the subject goods increased over the injury period.
  - b. Imports of the subject imports have increased significantly over the injury period, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.
  - c. There are no imports from non-subject countries.
  - d. Imports of the product are undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, effect of dumped imports has been to cause price suppression in the market. The domestic industry has not been able to increase its prices in proportion to the increase in cost of production.
  - e. Dumped imports have led to deterioration in performance of the domestic industry in respect of parameters such as production, sales, capacity utilization, market share, profits, cash flows, return on investment and growth. The domestic industry has suffered significant financial losses, cash losses and negative return on investment.
  - f. The domestic industry has suffered injury as a result of the dumped goods from the subject country.
  - g. The dumping margin is positive and above de minimis, and injury margin is positive.
  - h. No other factor has caused injury to the domestic industry.
  - i. The domestic industry has suffered material injury as a result of the dumped imports.
- xi. The imposition of anti-dumping duty is in the public interest. This is evident from the following:
  - a. The subject goods are used as catalysts and are not a significant part of cost of production of users.
  - b. There is no evidence to show the imposition of anti-dumping duty would adversely impact the performance of users.
  - c. The domestic industry has the capacity to cater to the entire Indian demand.
  - d. The imposition of duty would not affect the availability of the product.
  - e. The domestic industry is the sole producer and an MSME entity.
  - f. The viability of plant operations of the domestic industry affects the production of potassium metal, an input for KO<sub>2</sub> based products supplied to the Navy, mining industry and nuclear energy sector.
  - g. Non-imposition of duties is likely to render domestic industry unviable making the market vulnerable to supply only by foreign producers.
  - h. Imposition of duties shall also contribute to the foreign exchange reserves of the country.

145. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping

duty is required to be imposed on the subject goods. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries.

146. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of KTB, originating in or exported from China PR and the United States of America and imports of STB from China PR, for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Col. 7 of the duty table appended below.

### DUTY TABLE

SN	Heading	Description	Country of Origin	Country of Export	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29051490, 29051990 and 29054900	Potassium Tertiary Butoxide (KTB)	China PR	Any country, including China PR	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co., Ltd.	929	MT	USD
2	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than producer mentioned at S. No. 1 above	1,710	MT	USD
3	-do-	-do-	Any country other than China PR and USA	China PR	Any	1,710	MT	USD
4	-do-	-do-	USA	Any country including USA	Any	984	MT	USD
5	-do-	-do-	Any country other than China PR and USA	USA	Any	984	MT	USD
6	29051490, 29051990 and 29054900	Sodium Tertiary Butoxide (STB)	China PR	Any country including China PR	GenChem & GenPharm (Changzhou) Co., Ltd.	NIL	MT	USD
7	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than producer mentioned at S. No. 6 above	304	MT	USD

8	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	304	MT	USD
---	------	------	--	----------	-----	-----	----	-----

**N. FURTHER PROCEDURE**

147. An appeal against the determination of the Designated Authority in these final findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

**DARPAN JAIN, Designation Authority**